वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 196 | मंगलवार 12 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव-2024

7 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए दिशा-निर्देश जारी

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सोमवार शाम 6 बजे से प्रचार-प्रसार थमा

जयपुर. कासं। प्रदेश के 7 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए प्रचार-प्रसार कार्य सोमवार 11 नवम्बर शाम 6 बजे से थम गया है। इन क्षेत्रों में मतदान बुधवार 13 नवम्बर को होगा। इसके साथ ही किसी भी चुनावी रैली, रोड शो और चुनावी सभा आदि प्रचार अभियानों के आयोजन पर प्रतिबन्ध लागू हो गया है। इस अवधि में टीवी चैनल, मोबाइल एसएमएस, रिकार्डेड कॉल, अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सिनेमा हाल पर चुनावी प्रचार-प्रसार से सम्बंधित विज्ञापन भी बंद रहेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि विधानसभा उपचुनाव-2024 के लिए मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार, निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले 'साइलेंस पीरियड' के दौरान प्रत्याशी और उनके समर्थक केवल घर-घर जाकर मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान के लिए आग्रह कर सकते हैं। प्रतिबंध की अवधि 11 नवम्बर शाम 6 बजे से आरंभ होकर मतदान समाप्ति के समय 13 नवम्बर को शाम 6 बजे तक प्रभावी रहेगी। महाजन के अनुसार, विधानसभा उपचुनाव के लिए 'एग्जिट पोल' के प्रसारण पर भी प्रतिबन्ध लागू हो गया है, जो महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा आम चुनाव-2024 सहित अन्य राज्यों में उपचुनाव के अन्तिम चरण की मतदान की अवधि समाप्त होने के बाद 20 नवम्बर शाम 6:30 बजे तक प्रभावी रहेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 'साइलेंस पीरियड' के 48 घंटों की अवधि के दौरान निर्वाचन के संबंध में कोई भी प्रत्याशी, राजनैतिक दल अथवा व्यक्ति सार्वजनिक सभा या जुलूस न बुलाएगा, न आयोजित करेगा, न उसमें उपस्थित होगा, न उसमें सम्मिलित होगा और न ही उसे संबोधित करेगा।

राइजिंग राजस्थान 'आईटी एवं स्टार्टअप प्री-समिट' का आयोजन मंगलवार को

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की शासन सचिव ने आयोजन स्थल का दौरा कर तैयारियों को दिया अंतिम रूप

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में होगा कार्यक्रम, तकनीक एवं सूचना प्रौद्योगिकी आधारित निवेश करारों पर होंगे हस्ताक्षर

डिजिटल राजस्थान यात्रा की होगी शुरूआत, स्टार्टअप्स को मिलेंगे फंडिंग चेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की शासन सचिव अर्चना सिंह ने 'आईटी और स्टार्टअप प्री-समिट' के आयोजन स्थल होटल आईटीसी राजपूताना का सोमवार को दौरा किया और प्री-समिट की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों से जुड़े सभी बिंदुओं की बारीकी से जानकारी ली और प्री-समिट की सभी मानकों पर सफलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के संदर्भ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार, 12 नवंबर को जयपुर स्थित होटल आईटीसी राजपूताना में 'आईटी और स्टार्टअप प्री-समिट' का आयोजन किया जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और भारतीय उद्योग परिसंघ के तत्वावधान में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की उपस्थिति में आयोजित होने वाले इस प्री-समिट में तकनीक एवं नवाचार के क्षेत्र में निवेश करारों (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे। साथ ही डिजिटल राजस्थान यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा और स्टार्टअप्स को फंडिंग चेक वितरण भी किया जाएगा।

राजस्थान को आईटी और इनोवेशन हब बनाने पर मंथन

कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में किया जाएगा। पहले सत्र में 'बिल्डिंग राजस्थान एज एन आईटी एंड इनोवेशन हब' विषय पर तकनीकी विशेषज्ञ विचार-विमर्श करेंगे। इस सत्र का संचालन डाटा इंजिनियस ग्लोबल लिमिटेड के सीईओ अजय डाटा करेंगे और बीआईएसआर के ईडी प्रोफेसर पूर्णेंदु घोष, थ्रिलोफिलिया की सह-संस्थापक सुचित्रा गुरनानी डागा, मेटाक्यूब सॉफ्टवेयर के सह-संस्थापक पारिजात अग्रवाल तथा सेंटर फॉर एंटरटेनमेंट आर्ट्स के सह-संस्थापक दिवाकर गांधी पैनल में अपने विचार रखेंगे। दूसरे सत्र में गिरनार सॉफ्टवेयर (कारदेखो) के सह-संस्थापक अनुराग जैन, प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी और एनवीडिया के निदेशक, दक्षिण एशिया गणेश महाबाला भी उपस्थित जन को संबोधित करेंगे।

एमओयू पर होंगे हस्ताक्षर

प्री-समिट के दूसरे सत्र में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की गरिमामयी उपस्थिति में तकनीकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश करारों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। राजस्थान में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए वित्तीय, शैक्षणिक संस्थाओं और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इन एमओयू से राजस्थान में तकनीक और नवाचार के क्षेत्र को नई ऊंचाई मिलेगी।

डिजिटल राजस्थान यात्रा होगी रवाना

इस अवसर पर डिजिटल राजस्थान यात्रा वेबसाइट को लॉन्च किया जाएगा और डिजिटल राजस्थान यात्रा 2024 को झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। यह यात्रा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और आईस्टार्ट के सहयोग से इंक42 की पहल है, जिसका उद्देश्य राजस्थान में आमजन और और स्थानीय व्यवसायों के जीवन पर इंटरनेट और प्रौद्योगिकी के असर को उजागर कर डिजिटल राजस्थान की छवि को प्रस्तुत करना है। यह यात्रा जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर और भरतपुर से होकर गुजरेगी।

स्टार्टअप को फंडिंग चेक वितरण

प्री-समिट के दौरान स्टार्टअप्स को फंडिंग चेक वितरण भी किया जाएगा। आईस्टार्ट कार्यक्रम के तहत प्री-सीड, सीड और ग्रोथ स्टेज सहित सभी चरणों में स्टार्टअप को फंडिंग चेक का वितरण होगा। इस फंडिंग का उद्देश्य नवाचार को प्रोत्साहन, विकास में तेजी लाना और उद्यमशीलता व तकनीकी विकास को बढ़ावा देना है। इसके पश्चात उद्योग, शिक्षा जगत और अन्य आमंत्रितों के साथ राउंडटेबल सम्मेलन का भी आयोजन होगा।

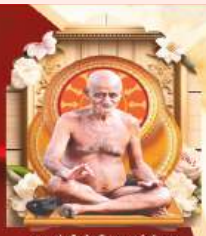

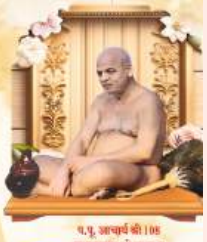

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
अर्हं ध्यान योग
पावन सानिध्य :
श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब
पंचकल्याणक
प्रतिष्ठा महामहोत्सव
दिनांक 13 नवम्बर से 17 नवम्बर 2024
स्थान : सामुदायिक केन्द्र से. 9 गोखले मार्ग, मानसरोवर
दिनांक 17 नवम्बर 2024
उपनयन संस्कार प्रातः 8.00 बजे
भव्य पिच्छी परिवर्तन
दोपहर 1.00 बजे से
अभीक्षण ज्ञानोपयोगी, अर्हं ध्यान योगप्रणेता,
मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज
परम पूज्य मुनि श्री 108 विश्वाक्षसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 अनुनयसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 नमिनयसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 समन्वयसागर जी महाराज
बुधवार, 13 नवम्बर 2024
गर्भ कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, घट पूजन, घटयात्रा, जुलूस
प्रातः 7.15 बजे - ध्वजारोहण, मण्डप उद्घाटन, मण्डप शुद्धि, अभिषेक, पूजन, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा, यागमण्डल विधान
प्रातः 9.00 बजे - पूज्य मुनिश्री की मंगल देशना
दोपहर 12.00 बजे - गर्भकल्याणक की आंतरिक क्रियायें
सायं 3.00 बजे - माता की गोद भराई
सायं 4.00 बजे - मुनिश्री का प्रवचन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, सौधर्म इन्द्र एवं महाराजा नाभिराय का दरबार सांस्कृतिक कार्यक्रम
गुरुवार, 14 नवम्बर 2024
जन्म कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 7.30 बजे - भगवान के जन्मोत्सव की बधाई, प्रथम दर्शन शचि द्वारा, सहस्र नेत्र बनाकर प्रभु दर्शन, सौधर्म इन्द्र द्वारा प्रवचन, जन्मकल्याणक जुलूस, पाण्डुक शिला पर जन्माभिषेक, तीर्थंकर बालक का शृंगार, नामकरण
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सौधर्म इन्द्र द्वारा ताण्डव नृत्य, पालना झूलना और बाल क्रीड़ा
शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024
तप कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन
दोपहर 1.00 बजे - पाणिग्रहण संस्कार, राज्यतिलक, भेंट समर्पण, असि आदि षट्कर्म, शिक्षा नीति, नीलांजना नृत्य, वैराग्य, दीक्षाभिषेक, वनगमन, दीक्षा संस्कार विधि (मुनिश्री द्वारा)
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
शनिवार, 16 नवम्बर 2024
ज्ञान कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन मुनिश्री का
प्रातः 9.00 बजे - महामुनि का प्रथम आहार चर्या
दोपहर 1.00 बजे - ज्ञान कल्याणक की क्रियायें, प्राण-प्रतिष्ठा सूरिमंत्र के साथ समवशरण की रचना, गणधर रूप विराजमान मुनिश्री की देशना एवं पूजन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
रविवार, 17 नवम्बर 2024
मोक्ष कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन
प्रातः 7.15 बजे - कैलाश पर्वत पर अंतिम दर्शन, मोक्षगमन एवं निर्वाण कल्याणक की पूजन, विश्व शांति महायज्ञ
प्रातः 8.00 बजे - उपनयन संस्कार
प्रातः 9.00 बजे - प्रवचन, जुलूस और श्रीजी विराजमान
दोपहर 1.00 बजे - सम्मान एवं आभार व्यक्त भव्य पिच्छी परिवर्तन
सायं 4.30 बजे - सामूहिक वात्सल्य भोज
प्रतिष्ठाचार्य
पं. धीरज जी शास्त्री
भगवान के माता-पिता
सौधर्म इन्द्र
कुबेर इन्द्र
महा यज्ञनायक
ध्वजारोहणकर्ता
यज्ञनायक
ईशान इन्द्र
सनत कुमार इन्द्र
माहेन्द्र
राजा श्रेयांस
राजा सोम
मंगल कलश स्थापनकर्ता
भरत चक्रवर्ती
बाहुबली कामदेव
ब्रह्म इन्द्र
ब्रह्मोत्तर इन्द्र
कापिष्ठ इन्द्र
शुक्र इन्द्र
मंडप उद्घाटनकर्ता
महाशुक्र इन्द्र
सहस्रार इन्द्र
आनत इन्द्र
प्राणत इन्द्र
अच्युत इन्द्र
महामंडलेश्वर राजा
आयोजक
अर्हं चातुर्मास समिति जयपुर-2024
परम शिरोमणी संरक्षक
श्री कंवरीलाल जी अशोक कुमार जी सुरेश कुमार जी विमल कुमार जी पाटनी
(आर.के.ग्रुप मदनगंज-किशनगढ़)
संरक्षक
* श्री नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाडिया
* श्री शीतल जी अनमोल जी कटारिया
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
अध्यक्ष सुशील पहाड़िया 9928557000
कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र कुमार जैन 9828152143
मंत्री राजेन्द्र कुमार सेठी 9314916778
सहयोगी संस्थाएं
श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
* आदिनाथ युवा मंडल, मीरा मार्ग जयपुर * विद्यासागर पाठशाला, मीरा मार्ग, जयपुर
नोट - बाहर से पधारे हुए अतिथियों के लिए आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।

भारत सरकार जैविभा विश्वविद्यालय को प्राकृत भाषा का केन्द्र बनाएगी: धर्मेन्द्र प्रधान केन्द्रीय शिक्षा मंत्री

जैविभा विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी को मानद डी.लिट. उपाधि दी गई तथा 21 को पी.एचडी. व 10 को गोल्ड मैडल सहित कुल 1917 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदत्त

लाडनूं. शाबाश इंडिया

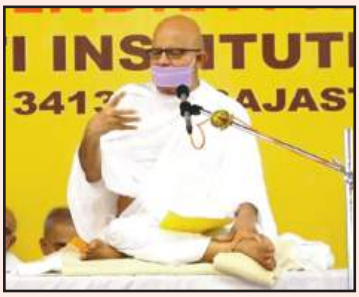

लाडनूं के जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में सूरत में सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय उच्च शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, आचार्यश्री महाश्रमण व कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ तथा जस्टिस दिनेश महेश्वरी को डी. लिट. की उपाधि प्रदान की

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) का 15वां दीक्षांत समारोह सोमवार को अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में गुजरात के सूरत में भगवान महावीर विश्वविद्यालय केम्पस वेसू में आचार्य महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल पर आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान थे। दीक्षांत समारोह में 1895 स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां, 10 स्वर्ण पदक, 21 पीएचडी एवं 1 मानद डी.तिट. उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विद्यार्थियों को उपाधियों के लिए आमंत्रित किया तथा कुलपति प्रो. दूगड़ एवं मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा सभी को उपाधियां प्रदान करवाई गई। जस्टिस दिनेश महेश्वरी को समारोह में डी.लिट. की मानद उपाधि प्रदान की गई। यह देश का पहला चलंतमान विश्वविद्यालय भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अपने सम्बोधन में कहा कि पढाई केवल किताबों तक सीमित नहीं होती, बल्कि जिस माहौल व परिवेश में पढाई की जाती है, वह अधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने केवल डिग्री को उपलब्धि मानने के बजाय कार्य दक्षता और मानसिक दक्षता को भी जरूरी बताया और कहा कि यह जीवन मूल्यों से भी संभव बताया। उन्होंने बताया कि अब तक भारतीय शिक्षा पद्धति पाश्चात्य से प्रभावित रही हे, अब नई शिक्षा पद्धति से इसे भारतीय संस्कृति से जोड़ा गया है। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यह ज्ञान व चरित्र का निर्माण करने वाला है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि उन्हें 1100 विश्वविद्यालयों को नजदीक से देखने का अवसर मिला है। इनमें यह देश का पहला चलंतमान विश्वविद्यालय है। इसका दीक्षांत समारोह आचार्यश्री के चातुर्मास की अंतिम समयावधि के दौरान उनके सान्निध्य में ही होता है। केन्द्रीय शिक्षामंत्री ने कहा कि प्राकृत भाषा को शास्त्रीय भाषा की मान्यता दी जा चुकी है और अब यह मेरा दायित्व है कि जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय को भारत सरकार की ओर से प्राकृत भाषा को शोध केन्द्र बनाया जाए। उन्होंने जैनिज्म के मूल में और कण-कण में ईश्वरत्व, देवत्व और जीवन बताया और कहा कि इन मूल्यों का महत्व हैं। भारत 2047 तक विकसित होने का मन बना चुका है और आप सभी उसका आधार हो। हमें दुनियां की कोई ताकत भौतिक विकास में नहीं रोक सकती है। मनुष्य को उनकी चेतना ही चलाएगी। अच्छे व्यक्तित्व से ही संतुलन बन पाएगा।

शराब और नशे से दूर रहने का दिलाया संकल्प

विश्वविद्यालय के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने अपने अनुशासन के प्रेरणा प्राथेय में ज्ञान के साथ संयम की चेतना आने को भी जरूरी बताया तथा कहा कि ज्ञानप्राप्ति का एक लाभ यह भी होना होता है कि आदमी के मन की एकाग्रता बढे। मन की चंचलता से आदमी परेशान हो सकता है, जबकि एकाग्रता से मन की स्थिति अच्छी हो सकती है। व्यक्ति ज्ञान हाने पर ही दूसरों का भी भला कर सकता है, किसी का मार्गदर्शन कर सकता है। उन्होंने समाज और राष्ट्र की विभिन्न समस्याओं का मूल कारण असंयम को बताते हुए कहा कि मन और इंद्रियों का नियंत्रण नहीं होने से समस्याएं पैदा हाती हैं। जैन दर्शन इच्छा परिमाण, अपरिग्रह, भोगोपभोग की बात करता है। जीवन के लिए आवश्यकताओं पूर्ति तक तो ठीक है, लेकिन लालसा से असंयम होता है। विद्यार्थियों के लिए ज्ञान के साथ संयम की प्रवृति भी जरूरी है। नैतिकता, मैत्री, संयम जरूरी है। आचार्य तुलसी के अणुव्रत का प्राणतत्व संयम है। अणुव्रत गीत में भी यही आता है। उन्होंने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को जिन्दगी में कभी शराब नहीं पीने एवं किसी भी तरह की ड्रग्स को नशे के रूप में नहीं लेने का संकल्प ग्रहण करवाया।

विभिन्न क्षेत्रों में देश का पहला विश्वविद्यालय हाने का श्रेय

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने अपने सम्बोधन में सभी को अहिंसक, प्रामाणिक व व्यसनमुक्त जीवन जीने सम्बंधी संकल्प सूत्र ग्रहण करवाया तथा विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं को चित्रित किया और बताया कि यह विभिन्न क्षेत्रों में पहल करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय ने योग एवं जीवन विज्ञान का पहला स्नातकोत्तर कोर्स प्रारम्भ किया। प्राकृत विभाग को स्नातकोत्तर स्तर पर स्वतंत्र रूप से प्रारम्भ करने वाला पहला विश्वविद्यालय रहा। संवैधानिक रूप से अनुशास्ता के पद वाला पहला व एकमात्र विश्वविद्यालय है। अपनी स्थापना से आज तक दूरस्थ शिक्षा का संचालन बिना किसी अवरोध के संचालित रखने वाला एकमात्र विश्वविद्यालय है। गांधी दर्शन के अलावा अहिंसा एवं शांति को स्नातकोत्तर स्तर पर कोर्स प्रारम्भ करने वाला भी पहला विश्वविद्यालय है तथा साधु-साध्वियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने वाला भी यह पहला विश्वविद्यालय बना हुआ है।

2500 साधु-साध्वियों को शिक्षित किया और 140 को पीएचडी भी

कुलपति प्रो. दूगड़ ने बताया कि यही देश का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जिसमें बिना किसी साम्प्रदायिक भेदभाव के साधु-साध्वियों को उच्च शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस विश्वविद्यालय ने अब तक कुल इन साधु-साध्वियों को 140 पीएचडी और 2500 साधु-साध्वियों को शिक्षित किया है। इन साधु-साध्वियों के लिए उनके स्थान पर ही परीक्षाएं संचालित की जाती हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुतिकरण के बारे में बताया कि यह विश्वविद्यालय नैक से ह्यएह्ल एक्रीटेडेट है, यूजीसी की 12बी से मान्यता प्राप्त है। क्वालिटी मैनेजमेंट, ओक्यूपेशनल हेल्थ मैनेजमेंट, एनवायर्नमेंट मैनेजमेंट में आईएसओसे सर्टिफाइड है। अन्य विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यह गर्व की बात है कि यहां के विद्यार्थियों को योग में 7 विश्व रिकॉर्ड बनाने सहित भारतीय संसद में युवा विद्यार्थियों की सहभागिता, राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस समारोह में भी सहभागिता रही, प्रशासनिक सेवाओं में विद्यार्थियों के चयन आदि उपलब्धियों को भी बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में 8500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। मल्टी मीडिया में 100 वीडियो लेक्चर्स तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय अपने श्रेष्ठ 10 शोध प्रबंधों को प्रतिवर्ष प्रकाशित करता है। उन्होंने बताया कि भारतीय पुरातन ज्ञान व्यवस्था के सुदृढीकरण में यह संस्थान प्रयत्नशील है।

व्यक्ति की गरिमा और अन्तर्निहित मूल्यों का महत्व

डी. लिट. की मानद उपाधि प्राप्त करने के बाद न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने अपनी उपाधि को अपने गुरूजनों, परिवारजनों एवं जीवन की विधिक यात्रा के दौरान सहभागी रहे समस्त कार्यकताओं आदि का समर्पित करते हुए कहा कि व्यक्ति की गरिमा को भारती संविधान की उद्देश्यिका में सम्मिलित किया गया है, जो काफी महत्वपूर्ण है। व्यक्ति में अन्तर्निहित मूल्य ही उसकी गरिमा होते हैं। उन्होंने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय को मूल्यों के लिए अनोखा, प्रतिष्ठित और सुदृढ योगदानकर्ता बताया तथा कहा कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्र के निर्माण में अनूठा योगदान कर रहा है आर हम सभी उससे लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विश्वविद्यालय की छात्राओं ने कुल-प्रार्थना प्रस्तुत की। अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण द्वारा मंगलाचरण एवं कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ की अनुमति से समारोह प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम में मुनिश्री कुमार श्रमण, मुनिश्री विश्रुत कुमार, मुख्य मुनिश्री महावीर कुमार का सान्निध्य भी रहा तथा जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लूंकड़ मंचस्थ रहे। साथ ही विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति रहे प्रो. संजीव शर्मा, प्रो. आरएस यादव, प्रो. गोपाल शर्मा, प्रो. धर्मचंद जैन, प्रो. जगतराम भट्टाचार्य आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं अंत में आभार ज्ञापन कुलसचिव डा. अजयपाल कौशिक ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

वेद ज्ञान

दान की गई वस्तु का मोह न रखें

सभी धर्मों में दान की महत्ता बताई है। दान का आशय त्याग है। मतलब जो वस्तु दान में दी जाती है, उस वस्तु से लगाव, मोह, अपनत्व का त्याग करना। बेटी के माता-पिता का लगाव बेटी से होता है, लेकिन विवाह के बाद उसे इस लगाव को अंततः त्यागना पड़ता है, जबकि माता-पिता विवाह के पूर्व उसके लालन-पालन, पोषण में पुत्र की तरह ही हर प्रकार का निवेश करते हैं। इस निवेश में मन, आत्मा की ऊर्जा के साथ भौतिक पदार्थ और धन आदि शामिल होता है। दान से त्याग की जो प्रवृत्ति विकसित होती है, वह आंतरिक सुख के साथ त्याग की स्थिति में मनोमालिन्य का भाव नहीं उत्पन्न होने देता। कृपण व्यक्ति छोटी भी वस्तु के दान से अवसाद में चला जाता है, लेकिन इसके मूल भाव को समझे बिना पर्वों-त्योहारों, शुभ-दिनों में दान से पुण्य के साथ मनोकामना पूर्ति के संदेश दिए जा रहे हैं। कोई नौकरी, व्यापार, बीमारी, मुकदमे या अन्य किसी सफलता की कामना के साथ जब अपने धर्मगुरु के पास जाता है, तब उसे रुपये-पैसे, सोना-चांदी, वस्त्र-अनाज आदि के दान के लिए कहा जाता है तथा यह बताया जाता है कि इससे ऊपरवाला बहुत खुश होगा और मन की मुराद पूरी कर देगा। जो सर्वथा अवैज्ञानिक भाव है। यह भी सत्य है कि सही दान से सुकून मिलता है। जिस दान से सुकून न मिले, वह दान है ही नहीं। यदि कोई बा आकर्षण जो सोने व चांदी की तरह लुभावना क्यों न हो, उसे स्वीकार न करना भी दान या त्याग है, क्योंकि अवांछित लुभावनी वस्तुएं या स्थितियां साथ में समस्याएं भी ले आती हैं। जीवन को त्योहारमय और उल्लासमय बनाने के लिए बाहरी आकर्षण से प्रभावित न होना दान के संदेश में छुपा हुआ है, लेकिन इस तरह उन लोगों की दुकानदारी प्रभावित होने लगती है जो धर्म का भय दिखाकर अपना जीवन चलाते हैं। इसके अलावा धर्मग्रंथों में सुपात्र को ही दान देने का विधान है। दान से कोई आलसी बन रहा हो, कामधाम छोड़कर दान में मिली वस्तु से जीवन चला रहा हो तो ऐसे व्यक्ति को दान देने से पाप लगता है। दान का ढिंढोरा पीटने, दान कर उससे वाहवाही लेने से भी पाप लगता है। इसलिए दान देना ही महत्वपूर्ण नहीं। जैसे किसी भी काम में समुचित निवेश से सफलता मिलती है, वैसे दान में भी समुचित पात्र तलाशने का काम करना चाहिए।

संपादकीय

बड़े सवाल खड़े करती है मणिपुर हिंसा

मणिपुर में हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही। अभी जिरीबाम जिले के एक आदिवासी बहुल गांव में घुस कर सशस्त्र उग्रवादियों ने छह घरों में आग लगा दी। उसमें एक महिला मारी गई। मृतक महिला के पति ने प्राथमिकी दर्ज कराई है कि कमरे में बंद कर महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, फिर उसे आग के हवाले कर दिया गया। हालांकि मणिपुर पुलिस इस मामले पर पर्दा डालने का प्रयास करती देखी गई। मणिपुर हिंसा को भड़के

डेढ़ वर्ष से अधिक समय हो गया। सरकार इस पर काबू पाने का आश्वासन भर देती रही है। हकीकत यह है कि वहां गृहयुद्ध जैसे हालात हैं। मैतेई और कुकी समुदाय के लोग घात लगा कर एक-दूसरे पर हमला करते रहते हैं। अब तो इस हिंसा में राकेट और ड्रोन जैसे अत्याधुनिक हथियारों का भी सहारा लिया जाता देखा जाने लगा है। कई घटनाओं से जाहिर हो चुका है कि उग्रवादी पहले किसी इलाके को चिह्नित करते हैं, फिर वहां सिलसिलेवार ढंग से हमले करते हैं। इस समय जिरीबाम जिले में हमले अधिक देखे जा रहे हैं। हालांकि हिंसा भड़कने के बाद शुरू में केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप किया था, मगर वह केवल दिखावटी साबित हुआ। उसके बाद भी कई बार उग्रवादियों ने पुलिस के शस्त्रागार से हथियार और गोला-बारूद लूट लिए। बार-बार दावे किए जाते रहे कि इस हिंसा पर काबू पा लिया जाएगा, मगर इसके लिए कोई व्यावहारिक कदम उठाया जाता नजर नहीं आया। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए निगरानी और जांच समितियां गठित कर दी थीं। उसमें बाहरी राज्यों के पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया। मणिपुर पुलिस को बाध्य किया गया कि वह हर जांच में सहयोग करेगी। तब उम्मीद बनी थी कि मणिपुर हिंसा की हकीकत जल्दी ही सामने आएगी और हिंसा रोकने में मदद मिलेगी। मगर उसका भी कोई उल्लेखनीय नतीजा नहीं निकला। मणिपुर कोई इतना बड़ा और जटिल राज्य नहीं है कि वहां की स्थितियों से निपटना मुश्किल हो। विवाद भी एक भ्रम की वजह से पैदा हुआ था, जिसमें वहां के उच्च न्यायालय ने मैतेई समुदाय को जनजाति श्रेणी में रखने का सुझाव दिया था। अगर सरकार सचमुच संजीदा होती, तो वह अब तक दोनों समुदाय के लोगों को आमने-सामने बिठा कर मसले का हल निकाल चुकी होती। मगर उसके रवैये से तो यही लगता है कि वह इसे सुलझाना ही नहीं चाहती! मणिपुर सरकार और केंद्र की ढिलाई का ही नतीजा है कि वहां उग्रवादी संगठन लगातार ताकतवर होते गए हैं और हिंसा-प्रतिहिंसा की घटनाओं पर काबू पाना कठिन जान पड़ता है। केंद्र में विपक्षी दल लगातार मांग करते रहे कि अगर मणिपुर की स्थिति से निपटने में वहां के मुख्यमंत्री नाकाम साबित हो रहे हैं, तो उन्हें बदल देने में गुरेज क्यों होनी चाहिए। मगर केंद्र सरकार उस मांग को अनसुना करती रही। कोई भी कल्याणकारी सरकार देश के किसी भी हिस्से में इस तरह पैदा हो गई गृहयुद्ध जैसी स्थिति को हाथ पर हाथ धरे कैसे देख सकती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

विवाद क्यों?

सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक संस्थान से वंचित करने वाले 1967 के अजीज वाशा केस को पलटते हुए अल्पसंख्यक संस्थान घोषित करने का मसला रेग्युलर बेंच को दे दिया। अदालत ने कहा कि कोई संस्थान कानून के तहता बना है तो भी अल्पसंख्यक संस्थान होने का दावा कर सकता है। अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रशासन करने के अधिकार से संबंधित है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 2006 के अपने फैसले में एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना था जिसके खिलाफ सबसे बड़ी अदालत में याचिका दायर की गई थी। 2019 में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने इसे सात जजों की पीठ को भेज दिया था। बीती फरवरी में यह फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। 1967 में अजीज याशा बनाम भारत गणराज्य मामले में शीर्ष अदालत ने भी एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा खत्म कर दिया था। कहा कि कानून के मुताबिक स्थापित संस्थान अल्पसंख्यक होने का दावा नहीं कर सकता पर 1981 में सरकार ने एएमयू एक्ट में संसोधन कर विवि का यह दर्जा बरकरार करदिया। एएमयू को लेकर समय-समय पर विवाद होता रहा है आजादी की क्रांति का हिस्सा रहे सर सैय्यद अहमद खान ने इसके गठन में मुख्य भूमिका निभाई थी। समान शिक्षा के मामले में पिछड़ते मुसलमानों की स्थिति सुधारने की मंशा से उन्होंने तमाम तरक्की पसंद मुसलमानों के साथ मिल कर इस विवि की नींव डाली थी। उनका सपना था कि देश के मुसलमान उच्च शिक्षा हासिल कर प्रतिष्ठित पदों कर काबिज हों। एएमयू में फिलवक्ता सैंतीस हजार से अधिक छात्र पढ़ते हैं जिन्हें बगैर किसी जाति, पंथ, संप्रदाय या लिंग के भेदभाव के शिक्षा प्रदान की जा रही है। हालांकि कुछ पाठ्यक्रम सार्क और राष्ट्रमंडल देशों के छात्रों के लिए आरक्षित

हैं। धार्मिक आधार पर देशवासियों को बांटने की राजनीति करने वालों के लिए यह करारा झटका हो सकता है जबकि उच्च शिक्षा प्राप्त करने को लालायित युवाओं को बेहतर शैक्षिक वातावरण देने के प्रयास होने चाहिए। शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक विवादों से परे रखना चाहिए। सवाल अल्पख्यक शिक्षण संस्थान का नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने का होना चाहिए जिसमें हमारे विश्वविद्यालय बुरी तरह से असफल हैं। विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैंकिंग में फिसड्डी साबित होने के बावजूद हमारा ध्यान उधर नहीं है जो छात्रों के बेहतरीन भविष्य के लिए बेहद जरूरी है।

आज से पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का होगा भव्य आगाज

शोभायात्रा में रथ में विराजेंगे भगवान

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजक मुमुक्ष मण्डल जैन युवा फैडरेशन, वितराग विज्ञान पाठशाला एवं मोक्षायतन ट्रस्ट के द्वारा पंच कल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का भव्य आगाज आज से होगा। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत, मीडिया प्रभारी सौरभ जैन ने बताया कि श्री आदिनाथ जिन-बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सौ वर्ष पुराने रथ में भगवान विराजमान कर हाथों से खींचकर रथ यात्रा परिक्रमा शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो की पंच कल्याणक स्थल नायरा पेट्रोल पंप के पीछे ग्रीन वेली रिसोर्ट के पास कल्याणपुर रोड पर बनी अस्थाई वेदी में भगवान को विराजमान किये जाएगा। शोभायात्रा स्वाध्याय भवन खंडूपुरा से प्रातः 8 बजे प्रारंभ होगी। जिसमें प्रभु रथ में विराजमान होकर नगर भ्रमण करते हुवे बेंण्ड़- बाजों, ढोल नगाड़ों के साथ पंचकल्याणक स्थल तक पहुंचेंगे। इसमें सभी श्रावक श्राविकायें व बच्चे भगवान की भक्ति करते हुए बाल आदि तीर्थंकर के माता-पिता अष्ट देवियां सौधर्म इन्द्र, कुबेर इंद्र, सभी इंद्र इन्द्राणी सहित पंचकल्याण स्थल तक पहुंचेंगे। जहां पर प्रतिष्ठाचार्य अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पंडित रजनीभाई दोषी हिम्मतनगर, सह प्रतिष्ठाचार्य ब्र. मनोज, ब्र श्रेणिक जबलपुर, ब्र नन्हे भैया सागर, पं.अशोक लुहाड़िया मंगलायतन, पं.सुधीर जैन मंगलायतन, पं.अजित शास्त्री अलवर, ब्र.सुकमाल झांझरी उज्जैन, पं.सुबोध शास्त्री, विराग शास्त्री, पंच.अमित अरिहंत आदि विद्वानों के द्वारा विधि विधान से ध्वजारोहण के साथ छह दिवसीय कार्यक्रम का आगाज किया जाएगा। इसमें बाहर से पधारने वाले सभी विद्वानों का पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के संयोजक नगेश जैन स्वागत सम्मान करेंगे।

रॉयल ग्रुप का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

धुलागढ़ गांव के रेतीले धौंरौ मे संगीतमय आयोजन के साथ हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

रॉयल ग्रुप मित्र सेवा संस्थान का दीपावली मिलन समारोह आगरा रोड स्थित धुलागढ़ गांव के रेतीले धोंरो के टीलौ पर मनाया गया। रॉयल ग्रुप के सेक्रेटरी नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि इस बार कुछ यादगार करने के प्रयास पर व्हाइट ब्लू की थीम पर धुलागढ़ गांव के रेतीले धौरो पर कार्यक्रम रखा गया। नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि सभी सदस्यों का गांव में पहुंचने पर तिलक, माला से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने गेम्स,मनोरंजन, म्यूजिक की मस्ती के साथ सभी ने आनंद लिया ।इस अवसर पर रॉयल के सुप्रसिद्ध संगीतकार संजय जैन लाडनूं ने फिल्मी गानों पर अपनी प्रस्तुति दी। इस मौके सदस्य विकास काला जापान के जन्मदिन के अवसर पर सभी सदस्यों ने उनको बधाई दी। संरक्षक सुरेंद्र पाटनी,पारसमल छाबड़ा ने अपने विचार व्यक्त किये एवं संस्था की ओर से आगे होने वाले प्रोग्राम की जानकारी दी। इस अवसर पर अध्यक्ष दीपक सेठी ने सभी पधारे हुए सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया । इस मौके पर उपाध्यक्ष अमित ठौलिया, जॉइंट सेक्रेटरी प्रशांत सेठी ,पंकज रारा, मोनिका जैन, सरिता पाटनी, ललिता छाबड़ा, मोना सेठी, रचना ठौलिया, अल्पना पाटनी, मेघा सेठी, सहित सदस्यगण उपस्थित थे।

राजधानी दिल्ली में होने जा रहा है जिनागम पंथी गुरु भक्तों का महाकुंभ

जयपुर। राजधानी में भावलिंगी संत आचार्य श्री द्वारा प्रदान की जा रहीं हैं 13 भगवती जिनदीक्षा।12 नवंबर, मंगलवार को भारत की राजधानी में अद्भुत, अभूतपूर्व, अद्भुत भगवती जिनदीक्षा महामहोत्सव शुरू होने जा रहा है, यह पवित्र अवसर भावलिंगी संत श्रमणाचार्य गुरुदेव के **स्वर्ण चर्चा महोत्सव और रजत संयमोत्सव वर्ष 2022-2024 का समापन है** श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज महाअनुष्ठान।जी हाँ, यमुनापार जैन समाज के साथ सम्पूर्ण राजधानी दिल्ली जैन समाज के अथक प्रयासों से वह समय भी आ ही गया जब राजधानी में भावलिंगी संत आचार्य श्री द्वारा प्रदान की जा रहीं हैं 13 भगवती जिनदीक्षा की सम्पूर्ण भारत वर्ष में राजधानी दिल्ली में होने जा रहीं भगवती जिनदीक्षा धूम मच रही है। दिल्ली NCR के ऋषभ विहार में स्थित जिनतीर्थ मण्डपम्, C.B.D. ग्राउण्ड में सम्पन्न होगा यह चार दिवसीय महा-अनुष्ठान12 नवम्बर को चातुर्मास स्थल कृष्णानगर से प्रातः 06 बजे से प्रारंभ होगी जैन रेजीमेन्ट परेड के साथ महा-अनुष्ठान के मंगलाचरण के रूप में घटयात्रा का भव्यातिभव्य महा जुलूस । जिनतीर्थ मण्डपम् CBD ग्राउण्ड पहुंचकर रेजीमेन्ट समूह द्वारा आचार्य श्री को विनयांजलि समर्पित की जावेगी। साधना जीवन की निर्विघ्नता हेतु 1008 जोड़ों के साथ सभी दीक्षार्थी करेंगे श्री गणधर वलय विधान । आचार्य श्री ने कहा- **जीवन में आने वाले विघ्नों की शांति के लिए यह अनुष्ठान अवश्य करना चाहिए।** हैलीकॉप्टर द्वारा पुष्पवृष्टि के साथ सम्पन्न होगा प्रातःकालीन दिव्य अनुष्ठानो दोपहर में बालब्रह्मचारिणी विशु दीदी सहित सभी 13 दीक्षार्थियों को वैराग्य हल्दी उत्सब में हल्दी लगाई जाएगी, साथ ही संध्या बेला सुप्रसिद्ध भजन गायक रूपेश जैन की स्वर लहरियों के साथ

दीक्षार्थियों के पवित्र करों में वैराग्य वर्धक मेंहदी रस्म सम्पन्न की जाएगी।13 नवम्बर, बुधवार को परम पूज्य भावलिंगी संत आचार्य श्री वमर्शसागर जी महामुनिराज की 50 वीं जन्म जयन्ती महोत्सव एवं मुनि दीक्षा के 25 वर्षों की पूर्णता के मांगलिक सु-अवसर पर स्वर्णिम विमरा उत्सव एवं रजत संयमोत्सव का समापन पूज्य आचार्य भगवन की महापूजा के साथ किया जाएगा। दोपहर में विविध आयोजनों के साथ होगा चतुर्विध संघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह । संध्याबेला में सुप्रसिद्ध भजन गायक विक्की डी पारिख, मुम्बई द्वारा वैरागियों काविदाई 'उत्सव सानन्द सम्पन्न होगा ।14 नबम्बर गुरुवार को प्रातः बेला में दीक्षार्थियों की आहार विधि अभ्यास कराया जाएगा। वहीं दोपहर 12 बजे से आदर्श महाकवि आचार्य गुरुवर विमर्शसागर जी महामुनिराज के चरणों में बैठकर डॉ. कुमार विश्वास के साथ अनेकों कविगण करेंगे आध्यात्मिक काव्य पार । इसी मध्य में आचार्य गुरुवर की मौलिक कृति विमर्श लिपि एवं विमर्श भूम्बिसा नवीन भाषा का भव्य विमोचन भी किया जाएगा। शाम 05 बजे से समस्त यमुनापार जैन समाज के तत्त्वावधान में महाविशाल शोभायात्रा विनौली यात्रा निकाली जाएगी।15 नवम्बर शुक्रवार को बदल जायेंगे अब तक के सम्पूर्ण इतिहास । सम्पूर्ण भारत वर्ष में सैकड़ों विनौली यात्रा के द्वारा की गई अनूठी धर्मप्रभावना के साथ 15 नवम्बर को राजधानी में दी जायेंगी वीर बेटियों को भगवती जिनदीक्षा प्रातःकाल की मंगल बेला में 05 बजे से दीक्षार्थियों की मंगल केशलौंच आदि कियाओं के साथ प्रारंभ होगा भगवती जिनदीआ महामहोत्सव। देशभर से कई हजारों की विशाल संख्या में जिनागम पंथी गुरु भक्तों का महाकुंभ लगेगा राजधानी दिल्ली में।

राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर के स्केटरों ने सर्वाधिक पदक जीते

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (R.S.F.I.) के तत्वावधान में आयोजित 3 दिवसीय राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का पदक वितरण के साथ समापन हुआ।

प्रतियोगिता के आयोजक जयपुर स्केट एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि राजस्थान रोलर स्केट एसोसिएशन के सचिव योगेंद्र खत्री एवं चेयरमैन अनिल सिंह के सानिध्य में आयोजित राज्य स्तरीय स्पीड रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से 500 स्केटरों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि जयपुर के स्पीड स्केटरों ने 45 गोल्ड, 38 सिल्वर एवं 40 ब्रॉन्ज मैडल जीत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जोधपुर द्वितीय एवं बीकानेर तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को डॉ. सी. आर. मीना, डॉ. अखिल शुक्ला एवं डॉ. ममता शुक्ला ने पदक प्रदान कर सम्मानित किया। सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने सभी विजेताओं को बधाई दी। पदक विजेताओं में पवित्र पंडा, हर्षिता चौधरी, युवराज मोदी, आरव खत्री, दिव्या विश्नोई, लब्धि सुराना, गजेंद्र प्रताप, किरण कँवर, अर्जुन सिंह राठौड़, रिवागना राठौड़, नताशा, अविष्का, महिरा त्यागी, रूही तिहिरानी, आरव सिंघल, अथर्व पारीक, शीतल गर्ग, सुधीर कुमार, मो. राहिल, माहिरा, अयांश खंडेलवाल इत्यादि शामिल हैं। सभी विजेता मैसूर (कर्नाटक) में 5 से 15 दिसंबर तक आयोजित होने वाली राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। R.S.F.I. एकमात्र खेलसंघ है जो स्केटरों को जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय, नेशनल, एशियाई एवं विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का जरिया है। यह भारत सरकार के खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त है। योगेंद्र खत्री सचिव, राजस्थान स्केट एसोसिएशन ने अभिभावकों से आग्रह किया है कि अपने बच्चों को C.B.S.E., R.S.F.I.,S.G.F.I. में भाग दिलवाएं, फर्जी प्रतियोगिताओं से बचें।

सर्वतो भद्र विधान के दूसरे दिन अर्घ्य चढ़ाए गए

नोगामा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य पवित्रमति माताजी के सानिध्य में आदिनाथ मंदिर, भगवान महावीर समवशरण जी में विशेष शांति धारा अभिषेक के बाद सर्वतो भद्र पंडाल में माता जी के सानिध्य में ब्रह्मचारी अनिल भैया इंदौर विधानाचार्य रमेश गांधी के दिशा निर्देशन में श्रीजी का अभिषेक शांति धारा की गई प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य पिंडारमिया प्रदीप कुमार रतनलाल पंचौरी धनपाल वर्धमान हॉस्पिटल परिवार बांसवाड़ा को प्राप्त हुआ। अभिषेक के पश्चात विधान के अर्घ्य गीतकार राजेश के मधुर स्वर लहरों के साथ बड़े भक्ति भाव से महिला एवं पुरुषों ने गरबा नृत्य करते हुए अर्घ्य चढ़ाए इस अवसर पर माताजी का मंगल प्रवचन हुआ माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सर्वतो भद्र विधान का अर्थ है सर्वत्र सुख शांति हो प्रत्येक जीव सुख शांति चाहता है और सुख शांति के लिए हमें धर्म की क्रिया करनी चाहिए, इस विधान में बाहर से पधारे हुए धर्म प्रेमी बंधुओ का श्री समाज व चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष निलेश जैन उपाध्यक्ष राजेंद्र गांधी नरेश जैन प्रदीप जैन ने दुपट्टा उड़ा कर पगड़ी पहना कर स्वागत किया। साथ ही सोधर्म इंद्र कैलाश पिंडरमिया, भरत चक्रवर्ती सुभाष नानावटी संगीतकार राजेश जैन का भी बहुमान किया गया दोपहर में अष्टनिका महापर्व के उपलक्ष्य में माता जी के सानिध्य में आदिनाथ मंदिर जी मे नंदीश्वर विधान के अर्घ्य चढ़ाए गए आज शाम को महा आरती करने का सौभाग्य दोसी मनीष कुमार जयंतीलाल को प्राप्त हुआ इस अवसर पर मनीष के घर से बैंड बाजो घोड़ा बग्गी के साथ विशाल शोभायात्रा गरबा नृत्य करते हुए पंडाल पहुंची जहां पर श्री जी की महाआरती की गई रात्रि में अनिल भैया के प्रवचन के बाद प्रश्न मंच एवं जैन पाठशाला के छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम किए गए । उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

कोविदया फाउंडेशन द्वारा गरीब एवं असहाय वर्ग के व्यक्तियों को कम्बल बांटे गए

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में स्थित अग्रवाल सेवा सदन में कोविदया फाउंडेशन के तत्वावधान में गरीब एवं असहाय वर्ग के लोगों को भामाशाहों के द्वारा कम्बल वितरित कर अक्षय पुण्यार्जन प्राप्त किया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम के संयोजक कस्बे में स्थित उप जिला अस्पताल में कार्यरत वरिष्ठ डॉक्टर महेंद्र अग्रवाल की अगुवाई में गरीब परिवारों को कम्बल वितरित किए गए जिसमें सैकड़ो परिवारों को कम्बल वितरित कर लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में गोधा ने अवगत कराया कि डॉ महेंद्र अग्रवाल काफी अर्से से कस्बे सहित सम्पूर्ण परिक्षेत्र में चिकित्सा के क्षेत्र में अच्छी उपलब्धि हासिल करते हुए गरीब एवं असहाय वर्ग के लोगों सहित समग्र आम जनता की निस्वार्थ भाव से सेवा करते आ रहे हैं। आपने धर्म के क्षेत्र में भी अग्रणी रहकर विभिन्न संस्थाओं में अथाह दान राशि देकर सहयोग कर धर्म लाभ प्राप्त किया है। कार्यक्रम में फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा , एवं समाजसेवी पारस नला ने संयुक्त रूप से अवगत कराया कि डाक्टर अग्रवाल व्यवहार कुशल, मृदु भाषी एवं गरीबों के मसीहा है, आपने चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न उपलब्धियां हासिल कर अनेक रोगियों की जटिल से जटिल बिमारियों का निदान कर उनको राहत प्रदान कर चिकित्सा के क्षेत्र में नाम रोशन किया है। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में रविंद्र- सीता अग्रवाल, डॉ महेंद्र- कुसुम अग्रवाल, सुमन- हेमलता जिन्दल, पीयूष -कुसुम , पवित्र- प्रेरणा, अभिनव अग्रवाल - रिमझिम अग्रवाल, अनुभव अग्रवाल सहित अग्रवाल समाज 84 छात्रवास जयपुर के अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, मुनि भक्त सोहनलाल झंडा, केलास कासलीवाल, चम्पालाल जैन,सुरेश सांघी, प्रकाश बडजात्या चौरु,मैना जैन पूर्व सरपंच चौरु,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान महावीर बावड़ी, पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, भागचंद कासलीवाल, कन्हैयालाल सिंघल,ओमप्रकाश कासलीवाल,पारस नला, अशोक कागला,अनिल कठमाना, सुनील बजाज, कमल झंडा, राजाबाबू तथा ओमप्रकाश हरित, सहित परिक्षेत्र के सभी प्रबुद्ध जनों ने कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करा कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए सहभागिता निभाई,उक्त कार्यक्रम में सकल जैन समाज फागी द्वारा डॉ महेंद्र अग्रवाल के परिवारजनों सहित सभी आगंतुक मेहमानों को तिलक,साफा, माला पहनाकर सम्मानित किया गया, उक्त कार्यक्रम में डाक्टर महेंद्र अग्रवाल के परिजनों की तरफ से शानदार स्वरूची भोज का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम समापन बाद सभी आगंतुको का डाक्टर महेंद्र अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।

सर्वतोभद्र विधान में तीन लोक के 170 कर्म भूमि में 8 करोड़ से अधिक जिनालयों की पूजन की जाती हैः आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

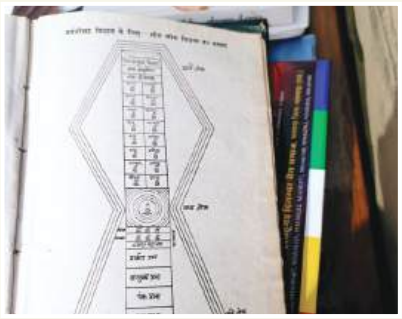

पारसोला. शाबाश इंडिया। धरियावद के पारसोला में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ सहित विराजित है। विगत दिनों वर्षायोग का निष्ठापन कार्तिकवदी अमावस्या को हो गया है। इसके पश्चात सभी स्थानों पर दिगंबर साधुओं का मंगल विहार प्रारंभ हो जाता है नगर से साधुओं का बिहार नहीं हो इस भावना को लेकर पारसोला दिगंबर समाज ने 13 नवंबर से 25 नवंबर तक वात्सल्यवारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ सानिध्य में सर्वतोभद्र विधान के पूजन का मानस बनाया। पंचमपट्टाधीश श्री वर्धमानसागर जी अनुसार सर्वतोभद्र विधान से सब तरफ कल्याण हो इस भावना से तीन लोक की 170 कर्म भूमि में विराजित 8 करोड़ से अधिक जिनालयों में विराजित समस्त भगवान की पूजन की जाती है। महापुरुषों की उपासना से सभी प्रकार से सभी का कल्याण हो विधान से सभी पूजनकर्ताओं को सभी प्रकार का सुख और संपत्ति प्राप्त होती है। जैन धर्म अनुसार चार प्रकार की पूजन बताई गई है नित्यमह पूजन, सर्वतोभद्र पूजन ,कल्पदुम पूजन और अष्टानिका पूजन।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम से बद्रीनाथ अहिंसा पदयात्रा के दरम्यान प्रवचन

मैं वो वक्त नहीं हूं जो किसी के पास ना हो..
मैं वो वक्त हूं जो सबके पास एक समान है..!

संसार में सिर्फ एक चीज का ही समान बंटवारा है-?''वह है समय''। गरीब हो या अमीर, सन्त हो या फकीर, राजा हो या रंक, देश हो या विदेश सबके पास 24 घन्टे ही होते हैं। यदि कोई कहता है कि मेरे पास समय नहीं है, या कोई कहता है मेरे पास तो समय ही समय है तो दोनों के कथन में दोष है। समय सबके पास है परन्तु किस समय क्या करना है, ये किसी को पता नहीं है। अक्सर हमारा समय यह सोच-विचार में निकल जाता है कि आज करना क्या है-? आज सबके पास दो घड़ी है - एक मोबाइल में और एक हाथ में, फिर भी समय का बोध नहीं है। किसान और मजदूर बिना घड़ी के अपना काम समय पर सम्पन्न करते हैं। आप तो पढ़े लिखे समझदार इन्सान हो, फिर क्यों समय के मूल्य से अनभिज्ञ हो? हमारे रोजमर्रा की ज़िन्दगी में रोज सुबह उठना, ऑफिस या कॉलेज जाना, भोजन करना, बाकी कार्य को निपटाना ये स्वतः ही चल रहे होते हैं। हम वहां रूक जाते हैं जहां हमारा मन खाली हो जाता है। हम टी.वी ओन करते हैं, या मोबाइल पर कुछ कुछ देखते है, यूं ही खिड़की के पास खड़े होकर बाहर देखने लग जाते हैं, और देखते देखते वक्त गुजरते जाता है, जिसे हम अपनी भाषा में कहते हैं - टाइम पास। यदि लक्ष्य का निर्धारण हो तो समय खुद-ब-खुद निकल आता है। अन्यथा टाइम हमको रोज पास कर रहा है। इसलिए रोज अपना लक्ष्य बनायें और समय के साथ कदमताल कर जीना शुरू करें।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सासनी जैन मंदिर में वेदी प्रतिष्ठा व शिखर महोत्सव सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ के पास छहढाला के लेखक स्व पंडित दौलतराम की जन्मस्थली सासनी (हाथरस) में दिगम्बर जैन मंदिर भगवान पद्मप्रभु के मंदिर का पुनः जीणोद्धार और नवीन वेदी श्रीजी का विराजमान सिद्धक्षेत्र गिरनार तीर्थ प्रणेता आचार्य श्री 108 निर्मल सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य झुलक श्री 105 समर्पण सागर जी महाराज के सानिध्य में सम्पन हुआ ग्वालियर से आये प्रतिष्ठाचार्य पंडित अजीत कुमार शास्त्री, पंडित अशोक शास्त्री (दिल्ली) के सानिध्य में सभी मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हुए मुख्य समारोह किरोड़ीमल कॉलेज परिसर में आयोजित किये गये। पहले दिन झंडारोहण घटयात्रा वेदी शुद्धी, शाम को नामोकर मंत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम हुय जिसमे सासनी महिला मंडल की और से मंगला चरण एवम सामूहिक नृत्य प्रस्तुत

किया गया। आचार्य विद्यासागर महाराज पर बच्चों ने प्रस्तुत किया भजनों का कार्यक्रम हुआ। अगले दिन सुबह अभिषेक पूजन के बाद पुरानी सभी प्रतिमाओं को विधि विधान पूर्वक नवीन जिनालय में विराजमान किया गया मंदिर के जीणोद्धार में प्रमुख भूमिका लुहाड़िया परिवार के विजय जैन सचिन जैन, (अहमदाबाद), संजय जैन (दिल्ली), राजा जैन रोहित जैन (हैदराबाद) विशाल जैन,(आगरा) अभिषेक जैन, अहमदाबाद से सरोज बाकलीवाल, कुमुद-शरद जैन, मुंबई से मीरा शाह, जयपुर से लता-अनिल बक्षी, जिनेद्र, अलोक जैन, सरोज जैन इसके अलावा आए हुए देशि-वदेश सभी परिवारजनों ने ने कार्यक्रम में भाग लिया। सासनी के जैन समाज तथा लुहाडिया परिवार के ही सहयोग से किया गया। झुलक श्री 105 समर्पण सागर जी महाराज ने मंदिर के भविष्य में रखरखाव में प्रतिवर्ष होने वाले खर्चो को सुचारू से चलाने के लिए लोगों से सहयोग की अपील की जिससे लुहाड़िया परिवार और अतिथियो ने सासनी समाज की ओर स्वीकार किया। शाम को शोभायात्रा और सम्मान समारोह के बाद मंदिर जी के संरक्षक विजय कुमार जैन द्वारा ने सभी का कार्यक्रम की सफलता और सहयोग के सम्मान और आभार व्यक्त किया।

पद्म विभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य से अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने की मुलाकात

जयपुर. शाबाश इंडिया

विद्याधर नगर में श्री बालाजी गौशाला संस्थान के सानिध्य में श्री राम कथा हो रही है। जगत गुरू रामभद्राचार्य महाराज के श्री मुख से राम कथा सुन रहे हैं सभी भक्त। पद्म विभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मिलने का अवसर मिला जगद्गुरु रामभद्राचार्य का आशीर्वाद मिला आशीर्वाद स्वरुप फल देकर ,कहा कि ज्योतिष के क्षेत्र में देश-विदेश में नाम रोशन करोगे मेरा आशीर्वाद सदा रहेगा। जगद्गुरु रामभद्राचार्य को शाल भेंटकर, मेरे द्वारा रविंद्र हस्तरेखा पुस्तक, ज्योतिष सार संग्रह पुस्तक भेंट की। जगदगुरू रामानंद भद्राचार्य का आशीर्वाद पाकर मन बहुत प्रसन्न हुआ है रामानंद भद्राचार्य के दर्शन करके ऐसा लगा कि साक्षात हनुमान जी के दर्शन किए हैं ।साथ में आचार्य रामचंद्र दास जी महाराज, बालाजी गौ सेवा संस्थान के अध्यक्ष रवि शंकर पुजारी,श्री हरिओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकजगोयल, अभिषेक पारीक, रामप्रसाद पारीक, मुकेश गोयल, पंकज खंडेलवाल, रोहित विजयवर्गीय, संजय श्रीवास्तव, अनिल गोयल, सुमित बंसल, मनोज अग्रवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पानी की बूंद भी अनमोल हो गई गुरु शरण पाकर: गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिला टोंक राजस्थान की पावन धरा पर विराजमान परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में आज के चातुर्मास संयोजक बनने का सौभाग्य मुकेश जैन जयपुर सपरिवार को प्राप्त हुआ। गुहाटी से पधारे हुए भक्त सुशील जैन,अजीत जैन,संजय छाबड़ा ने पूज्य गुरुमां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात एक आहार एक उपवास के पश्चात का पारणा कराने का सौभाग्य श्रीमान पारस जी चैनपुरा सपरिवार ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे पानी की बूंद का कोई मूल्य नहीं लेकिन सिर्फ की शरण में वह मोती बनते हुए अनमोल हो जाती है वैसे ही संसार में प्रतीत जीव गुरु शरण स्वीकारता है तो गुरु के अनंत उपकार उसके जीवन को उसकी आत्मा को मोती से अनमोल बना देते हैं गुरु की दिव्य शक्ति शिष्य की सूक्त चेतन को जाग्रत करती है। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर मंदिर निर्माण का कार्य शीघ्र गति से चल रहा है। पायलिंग का कार्य पूर्णता की ओर है। यात्रीगण पधारकर क्षेत्र की वंदना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। एवं विविध योजनाओं से जुड़कर धर्म लाभ ले रहे हैं।

शुक्र सुख, समृद्धि, वैभव और ऐश्वर्य का प्रतीक: युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी म.

प्रवर्तक कुंदन ऋषिजी के जन्मोत्सव पर हुआ गुणगान

चेन्नई. शाबाश इंडिया। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने सात दिवसीय श्रृंखला में शुक्रवार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने काव्यात्मक उद्बोधन में कहा कि शुक्र प्रेम और सकारात्मकता का परिचायक है। उन्होंने कहा, शुक्र की शक्ति प्रेम को बढ़ाती है, नफरत को दूर भगाती है, मन को सुदृढ़ करती है और चेहरे पर सौम्यता एवं तेज लाती है। उन्होंने ज्योतिष शास्त्र का संदर्भ देते हुए बताया कि शुक्र ग्रह प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। जिनका शुक्र बल प्रबल होता है, उनके जीवन में प्रेम और सौहार्द की प्राप्ति अधिक होती है। इस दिन को सुख, समृद्धि, वैभव और ऐश्वर्य के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने आकाश में सबसे चमकदार ग्रह शुक्र का महत्व बताते हुए कहा कि यह तेज और सामर्थ्य का प्रतीक है। उनके अनुसार,जितनी शुभ और सकारात्मक बातें बोली जाएँगी, उतना ही शुक्र बल बढ़ेगा। सकारात्मकता हमें सुदृढ़ बनाती है, और जीवन में तेज को आकर्षित करती है। यह ग्रह हमें जोड़ने और समन्वय स्थापित करने का संदेश देता है। इस अवसर पर आचार्य आनंद ऋषिजी के ज्येष्ठ शिष्य और अपने गुरु भाई प्रवर्तक कुंदन ऋषिजी महाराज के जन्मोत्सव पर बधाई संदेश प्रेषित करते हुए युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने कहा कि कुंदन ऋषिजी अपने गुरुदेव के प्रति निष्ठा और समर्पण का अनूठा उदाहरण हैं। दिसंबर 1962 में जब आचार्य आनंद ऋषिजी महाराज का आचार्य पद अभिषेक हुआ, उस समय नवदीक्षित कुंदन ऋषिजी गुरुदेव की सेवा में जुट गए।

दान धर्म का अंग है: महासती प्रितीसुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। दान धर्म का अंग है। सोमवार को पंचायती नौहरा मुखर्जी चौक मे पचं दिवसीय गुरु गुणगान तथा जप तप सेवा महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिन महासती प्रितीसुधा ने श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करतें हुए कहा कि दान अगर उचित स्थान पर उचित व्यक्ति को दान हम करते है तो वह दान हमे संसार से तिराने का बिजारोण करता है। दान करते समय हमारी भावना कैसी वह महत्व रखती है।भावना हमारी शुध्द नहीं है तो दान का फल हमे नहीं मिलने वाला है। दान देने से इंसान मे परिग्रह करने की प्रवृत्ति नहीं आती। मन में उदारता का भाव रहता और उसके विचारों में शुद्धता आती है,और मोह, लालच खत्म हो जाते है। दान करने से हम न सिर्फ दूसरों का भला करते हैं,बल्कि हम अपने व्यक्तित्व को भी निखारते हैं जब हम दान बिना किसी स्वार्थ भाव के करते हैं तो उस सुख का अनुभव हमें आत्म संतुष्टि प्रदान करता है और वो दान सुपात्र दान बन जाता है और हमारे जीवन को पवित्र बनाकर आत्मा की शुध्दी कर देता है। साध्वी संयम सुधा ने कहा की दान देने से घटता नहीं बढ़ता है और मनुष्य पुण्य का संचय करके अपनी पुण्यवानी को बढ़ा सकता है। श्रावकसंघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन लक्ष्मीलाल वीरवाल, राजेंद्र खोखावत, दिनेश हिगंड महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू सिरोया संतोष जैन, पुष्पा खोखावत सभी पदाधिकारी ने खाद्यान्न राशन साम्रगी के 200 किट जरुमंद भाई-बहनों को दिये गए। -**प्रवक्ता निलिप्का जैन**

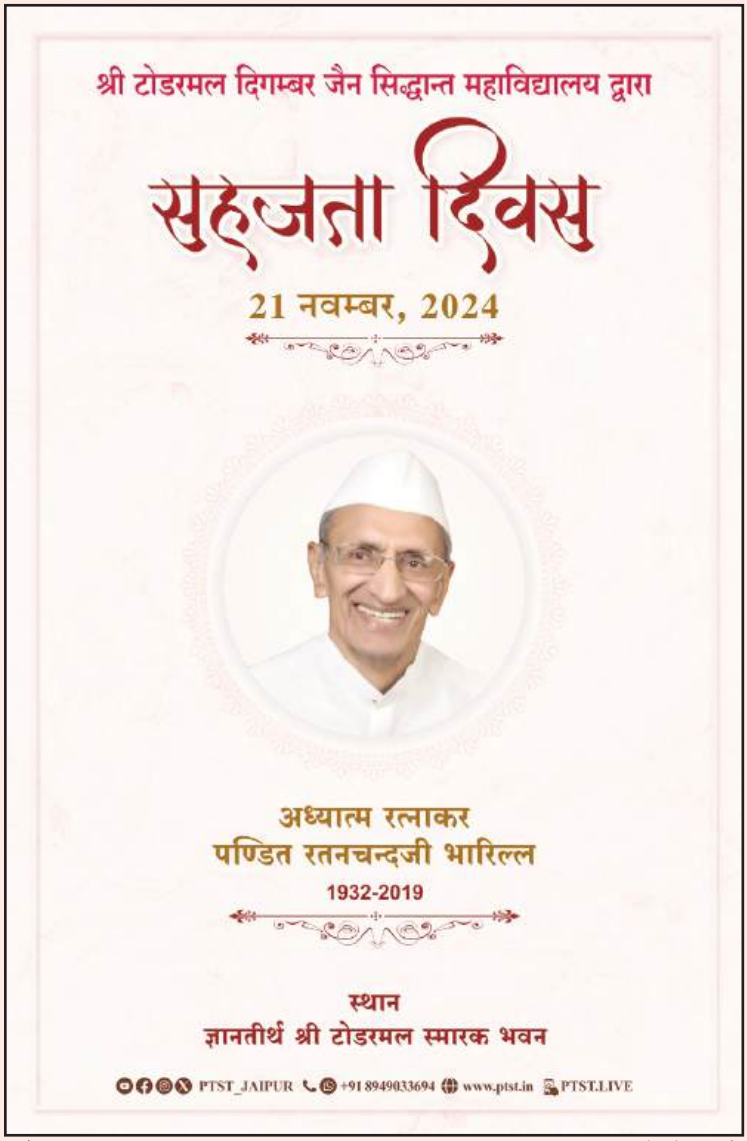

डी ए वी सैंटनरी पब्लिक स्कूल ने भारत को जानो प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। गत दिवस भारत विकास परिषद शाखा ऐलनाबाद द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन हरियाणा नर्सिंग कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ जिसमें ऐलनाबाद शहर की 15 टीमों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता में डी ए वी सैंटनरी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 80 नंबर लेकर के प्रथम स्थान प्राप्त किया और हिसार में होने वाली 24 नवंबर को प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेना के लिए स्थान सुनिश्चित किया इस प्रतियोगिता में दो चरण बनाए गए जिसमें स्कूल की टीम ने दोनों चरणों में ही प्रथम स्थान हासिल कर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया विद्यालय से निदेशक वेद मित्र गुप्ता ने बताया कि बच्चों की यह बहुत ही बड़ी उपलब्धि है और इन्होंने पिछले कुछ समय से दिन रात मेहनत करके यह स्थान प्राप्त किया है इस प्रकार भारत को जानो प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को प्रतियोगिता भारत के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है और भविष्य में अन्य प्रतियोगिता में सहायक रहती है विद्यालय निदेशक वेद प्रिय गुप्ता ने स्कूल अध्यापक मंगत कुमार को सफलतापूरण तैयारी करवाने के लिए बधाई थी और दोनों बच्चों को भविष्य में तैयारी करने के लिए आशीर्वाद दिया।

नेपाल में वैश्विक हिंदी अंतर्राष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता संपन्न

लुंबिनी, नेपाल. शाबाश इंडिया

वैश्विक अंतरराष्ट्रीय हिंदी कविता प्रतियोगिता आज बड़े ही भव्यता के साथ संपन्न हुई है। देश-विदेश की साहित्यिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वैश्विक हिंदी अंतर्राष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में देश विदेश से 1240 रचनाकारों की सहभागिता रही थी। अग्रज तथा नवोदित रचनाकारों ने अपनी कविता के माध्यम से बढ़ चढ़कर कविता प्रतियोगिता में हिस्सा लिया । प्रतियोगिता में नेपाल, भारत, अमेरिका तथा तंजानिया से महिला पुरुष रचनाकारों ने अपनी उत्कृष्ट कविताओं का प्रदर्शन किया। तीन चरण की चयन प्रक्रिया के बाद 100 रचनाकारों की रचनाएं उत्कृष्ट घोषित की गई जिन्हें हिंदी काव्य शिरोमणि मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया है। प्रतियोगिता अभौतिक उपस्थिति में होने के कारण सभी चयनित प्रतिभाओं को तत्काल ई प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रिंटेड सम्मान पत्र डाक के माध्यम से भेजा जाएगा।

आचार्य शशांक सागर व मुनि महिमा सागर का महा मिलन

भाद्रपद व अष्टानिका के पावन दिवस में की गयी भक्ति द्विगुणित फल देती है: आचार्य शशांक सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरूण पथ मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में अष्टानिका के चतुर्थ दिवस पर नित्य अभिषेक एवं शांति धारा विधान के सानंत इंद्र संतोष- तारा देवी काला , सुमति प्रकाश काला ने व पाद प्रक्षालन पुण्यार्जक निर्मल, भँवरी काला ने किया। आचार्य शशांक सागर महाराज ने प्रवचन ने बताया ''पवित्र माह भादवा व अष्टानिका के दिनों में भक्ति-पूजा करने से द्विगुणित पुण्य व फल मिलता है।'' इससे पूर्व मुनि महिमा सागर का संगीतमय भक्तमार स्तोत्र का किया वाचन कीर्ति नगर जैन मंदिर से विहार होकर वरुण पथ जैन मंदिर में जुलूस के रूप में मंगल प्रवेश हुआ, यहां आचार्य शशांक सागर महाराज का मिलन हुआ। सौधर्म इन्द्र सुनील-अनिता गंगवाल ने बताया सायं आरती के साथ मंत्रोच्चार के साथ संगीतमय भक्तामर हुआ, जिसमे 48 परिवारों ने भगवान को दीप समर्पित किया। ब्रह्म इंद्र बसंत- बीना जैन ने बताया कि विधान के पंचम दिवस में 128 अर्घ अर्पण करेंगे। इस अवसर पर एम पी जैन, पूरण मल अनोपड़ा,संतोष कासलीवाल, सुनील गोधा, विमल काला, लोकेश सोगानी, जिनेन्द्र पाटनी, जे के जैन, अशोक बाकलीवाल आदि उपस्थित रहे।

-सुनील जैन गंगवाल

जैन इंजीनियर्स सोसायटी इन्टरनेशनल फाउंडेशन का 17वां वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

जयपुर साउथ चैप्टर की रही सहभागिता

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन इंजीनियर्स सोसायटी इन्टरनेशनल फाउंडेशन का दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन दिनांक 9 - 10 नवम्बर, 2024 को उज्जैन में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में समसामयिक प्रासंगिक विषय पारिवारिक व्यवसायों में नवाचार की दिशा पर गहन चिंतन किया गया एवं इस थीम पर वर्ष भर कार्य करने का निर्णय लिया गया । अधिवेशन में देश के कोने कोने से आए लगभग 250 दम्पत्ति सदस्यों की सहभागिता रही। अधिवेशन के दौरान जैन इंजीनियर्स सोसायटी के विगत एक वर्ष की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की समीक्षा भी की गई एवं जेस के चैप्टरों की उपलब्धियों का विभिन्न श्रेणी अंतर्गत मूल्यांकन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। अधिवेशन में जयपुर साउथ चैप्टर के इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन (संयुक्त सचिव, जेस इंटरनेशनल फाउंडेशन), इंजी. दीपक कुमार जैन (अध्यक्ष), इंजी. अरूण कुमार जैन (उपाध्यक्ष-I), इंजी. राकेश कुमार बगड़ा (उपाध्यक्ष-II), इंजी. बी पी जैन (संयुक्त सचिव), इंजी. रमेश गंगवाल (वित्त सचिव) सहित चैप्टर के 41 दम्पत्ति सदस्यों ने भाग लिया। चैप्टर को **''सबसे अधिक सक्रिय वरिष्ठ सदस्यता''** श्रेणी के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया। अधिवेशन पश्चात चैप्टर सदस्यों ने अतिशय क्षेत्र बनेडिया जी, ढाई द्विप मंदिर, सुमती धाम एवं मुनि 108 श्री प्रमाण सागर जी के दर्शनों का लाभ भी प्राप्त किया ।

मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा का हो रहा है आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर सोमवार दिनांक 11नवंबर को श्री 1008 श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा में मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में अभिषेक शांतिधारा ऐशान इन्द्र - प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं सानत्कुमार इन्द्र - महावीर प्रसाद बाकलीवाल ने की । ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल ने बताया कि विधान पूजा में सम्मिलित सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने पूजा के अर्घ्य मण्डल पर चढ़ाये। विधान पूजा के मध्य में मुनिश्री 108 पावनसागर जी के प्रवचन में बताया कि आप इतना धर्म ध्यान करते हो फिर भी शांति नही मिलती इसका कारण है आपका राग नहीं छूट रहा है दृष्टांत देते हुए बताया कि आपके पास दोनों हाथ मे लड्डू हैं, एक में मोटा है दूसरे में छोटा है, छोटे लड्डू की ओर आपका बेटा है मोटे लड्डू की ओर पड़ोसी का बेटा है फिर भी आप मोटा लड्डू अपने बेटे को ही देना चाहोगे क्योंकि आप में राग है।अतः यह राग भाव आपको छोड़ना है। भगवान की पूजा भक्ति करने का फल बताते हुए कहा कि अच्छे कर्मों का फल हमेशा अच्छा ही मिलता है।

1008 श्री महावीर विधान एवं वास्तु शास्त्र विधान की पूजा की गई

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

झारखण्ड की हृदय स्थली धर्म नगरी झुमरीतिलैया में चल रहे विश्व शांति महायज्ञ सिद्धचक्र महामण्डल विधान के अंतर्गत आज पांचवा दिन श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के साथ नया मंदिर जी मे नय द्वार के चालू होने के पूर्व 1008 श्री महावीर विधान एवं वास्तु शास्त्र विधान की पूजा की गई सोमवार को जैन संत मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज के सानिध्य में सिद्धों की आराधना एवं पूजा स्थल मंडल पर जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ 512 अर्ध्य समर्पित किए गए। प्रातः कालीन अभिषेक, ओम प्रकाश वीर सेठी के परिवार द्वारा शांतिधारा, नित्य नियम पूजन सुर समार्ट सुबोध,आशा

गंगवाल,शशि शब्द,करिश्मा छाबड़ा के साथ संगीत मय पूजन हुवा इसी के साथ गुरुवर का चरण पखारने का सौभाग्य इस इंद्र परिवार को प्राप्त हुआ मुनि श्री ने सभी को विशेष आशीर्वाद दिया इसके बाद विधान प्रारंभ हुआ। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में मुनि 108 सुयश सागर ने कहा कि सिद्ध चक्र महामंडल विधान सब विधानो का राजा है। विधान में सभी रिद्धि धारी महा मुनिराजो की वंदना की गई है, वर्तमान में मुनियों के के पास ऋद्धि का अभाव है, मुनिराजो को ऋद्धियां तप,आराधना, संयम आदि से प्राप्त होती है, जिनकी आराधना वंदना करने से सभी प्रकार के कष्टों का निवारण सम्भव है।साथ ही गुरु मुख से सिद्ध चक्र महामंडल विधान की महिमा बताई गई। नव द्वार के पुण्याजक प्रदीप-मीरा छाबड़ा ने बताया की पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी मुनिराज के मंगल आशीर्वाद से नया मंदिर जी मे उत्तर की ओर एक नया द्वार का शिलान्यास कर्ता प्रदीप-मीरा छाबड़ा है।इस अवसर पर छाबड़ा जी ने बताया कि ये मेरा परम सौभाग्य है कि गुरु के मंगल आशीर्वाद से हमारे परिवार को मंदिर के नया द्वार बनाने का अवसर मिला ।ये सभी कार्यक्रम स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री के द्वारा विधि विधान के द्वारा सम्पन्न होगा। जैन समाज के मीडिया प्रभारी नवीन जैन और राजकुमार अजमेरा ने बताया कि रात्रि में कैलास-कमला गंगवाल,ओर मैत्री समूह मनीष, नवीन, अजय, संजय, संदीप,अनूप,ललित राज कुमार अजमेरा के द्वारा भव्य आरती झूमते हुवे किया गया। इसके पश्चात गुरुमुख से णमोकार चालीसा ओर सिद्ध चक्र विधान की महिमा को बताया गया ।

गोपाष्टमी पर्व पर वार्षिक उत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया गया

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। श्री सुंदरकांड गो ग्रास सेवा समिति वार्ड न 25, रावतसर में गोपाष्टमी पर्व पर वार्षिक उत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया गया जिसमें शहर के गो भगतो ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया गौ माता के प्रति गौ भक्तों में भारी जोश व उत्साह देखा गया। मुख्य अतिथि संदीप जमालिया दिल्ली, विधायक विनोद गोठवाल ,पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, नगरपालिका वाइस चेयरमैन हेमंत पचार,पूर्व चेयरमैन नीलम सहारण ,डॉ रेणु गुप्ता , भाजपा वरिष्ट नेता व अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल , दिनेश लड्ढा, मौजूद रहे समिति के सदस्य बसंत गोल्यान,ओम गोयल, शंकर मित्तल, साहिल गर्ग,श्याम मित्तल, शिवम धारीवाल, रोहित सोनी ,भारत गर्ग, रमेश छींपा, मेहरचंद शर्मा ,मनु सोनी, उत्तम अग्रवाल ,नरेश बिहानी,राजेंद्र दायमा,गणेश अग्रवाल,ललित शर्मा ,मंगलचंद भूकर आदि सदस्य मौजूद रहे गौशाला की सहयोगी संस्था संकट मोचन सुंदरकांड मित्र मंडल युवा टीम 60 सदस्यो की है जो पिछले 15 दिन से कार्यक्रम की तैयारी में लगी हुई थी गौशाला में आए हुए दानदाताओं ओर भामाशाओं का समान प्रतीक देकर सम्माननित किया गया और सभी उपस्थित स्थानीय व बाहर से आए दर्शकों ने कार्यक्रम की बहुत तारीफ की सुंदर कांड मित्र मंडली द्वारा सुंदर कांड का पाठ किया गया व प्रसाद का वितरण किया गया।

जैन धर्म के जयकारों की गूंज के साथ आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी ससंघ का हुआ मंगल प्रवेश

कामां. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन आचार्य वसुनंदी महाराज की सुशिष्या धर्म वत्सल प्रभाविका जैन साध्वी आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी का नो साध्वियों सहित कामां कस्बे में मंगल पदार्पण हुआ तो जैन समाज कामां द्वारा अध्यक्ष अनिल जैन के नेतृत्व में पाद प्रक्षालन व आरती कर भावभीनी आगवानी महावीर पार्क पर की गई। जैन समाज से प्राप्त सूचना के अनुसार आर्यिका संघ का अल सुबह जैन धर्म के अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बू स्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा से पद बिहार हुआ तो वहीं युवाओं ने पद बिहार में साथ चलकर जैन धर्म के नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया जैसे ही महावीर पार्क पर आर्यिका संघ का पदार्पण हुआ तो जैन समाज ने अगवानी कर बैंड बाजो के साथ विजय मती त्यागी आश्रम कामां तक प्रवेश कराया। इस अवसर पर पूज्य आर्यिका श्री वर्धस्व नंदनी माताजी ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीव दो प्रकार के होते हैं संसारी और मुक्त और संसार में दो तरह जीव रहते है भव्य और अभव्य,भव्य जीव ही देव शास्त्र और गुरु पर सच्चा श्रद्धान रख सकता हैं। भव्य जीव ही चतुरविध संघ को आहार दे सकता है, सिद्ध क्षेत्रों कि वंदना कर सकता,माताजी ने दोनों में अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि चाहे कितने ही भव गुजर जाएं अभव्य कभी भव्य नहीं बन सकता है कभी संसार सागर को पार नहीं कर सकता है ।माताजी ने कहा कि आप लोग बहुत ही पुण्यशाली हैं कि आपको जिनवाणी श्रवण करने का अवसर मिल रहा हैं, आहार देने का अवसर मिल रहा है सभी को समय का सदुपयोग करना चाहिए।

पारीक समाज के अन्नकूट महोत्सव में उमड़े लोग

जयपुर. शाबाश इंडिया

पारीक महासभा समिति,जयपुर के बैनर तले पारीक समाज का अन्नकूट महोत्सव व दिवाली स्नेह मिलन पुरानी बस्ती स्थित पुरानी बस्ती स्थित पारीक पंचायती मंदिर श्री गोपाल जी महाराज में आयोजित हुआ।इस अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालओं ने प्रसादी ग्रहण की। महासभा के अध्यक्ष के.के.पारीक व सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने बताया कि प्रसादी दोपहर 1 बजे से शुरू हुई और साम को 4 बजे तक चली। प्रसादी के प्रारंभ में पारीक समाज के जनक भगवान पराषर को अन्नकूट का भोग लगाकर आरती की गई। इसके बाद पारीक समाज के प्रबुद्धजन एवं समाज बंधु प्रसादी लेने पहुंचे और प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान समाज के विकास के लिए विचार-विमर्श भी किया गए,जिसमें उपस्थित प्रबुद्धजनों ने अपने विचार रखे।

पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान केकड़ी व इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में कक्षा 11 के विद्यार्थी 16 नवंबर तक भाग लेंगे। 18 नवंबर को विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान केकड़ी में शिक्षक भ्रमण के लिए प्रस्थान करेंगे। विद्यालय प्राचार्य आर सी मीणा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताएं की मशीन लर्निंग के लिए पाइथन का उपयोग करते हैं उप प्राचार्य राजेश बगड़िया ने पाइथन और उनके समृद्ध लाइब्रेरी और सीखने की प्रक्रिया के कारण ए एल/ एम एल के विकास में अपने विचार प्रकट किए ।कार्यक्रम में कक्षा 8 के 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मंडल ने हर्षोल्लास से मनाया दीपावली स्नेह मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मण्डल का दीपावली स्नेह मिलन समारोह कैसा ब्लांका रेस्टोरेंट, निर्माण नगर में हर्षोल्लास से मनाया गया। महिला मण्डल की सदस्याएं अपने घर से खुशियों का एक दिया जला कर 2.30 पर लाल रंग की साड़ियों में सजी धजी कैसाब्लांका रेस्टोरेन्ट में एकत्रित हुई । सभी आगंतुकों का कार्यक्रम संयोजिका श्यामा व विनीता विजयवर्गीय ने कुमकुम का तिलक लगा कर स्वागत किया गया। साथ ही सभी को हाथ से बनी हुई चोकलेट खिलाई। सभी ने एक दूसरे के गले मिलकर आपस में दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की। समय के साथ चलु दुनिया को पीछे छोड़ चलु के गेम में जीत का सेहरा सावि गोपाल जी के नाम रहा। सभी सदस्यों ने लक्ष्मी गणेश जी की पूजा कर अपने परिवार व समाज की सुख समृद्धि की मंगल कामना की व दीप प्रज्वलित कर अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ने की मंगल कामना की। महिला मंडल अध्यक्ष शकुन्तला विजयवर्गीय ने बताया कि कार्यक्रम संयोजिका श्यामा व विनीता विजयवर्गीय ने कार्यक्रम को बड़े प्यार से सजाया। उन्होंने बहुत ही खूबसूरत दिवाली पर आधारित हाऊजी खिलाई, जिसमें दिवाली पुजा, दिलवालों की दिवाली , दीया रंगोली, धन वर्षा, शुभ लाभ, धनतेरस, रूप चौदस, बड़ी दीवाली, अन्नकूट व भाईदूज इत्यादि पर आधारित गेम रखें गये। जिसमें सभी ने उत्साह से पार्टिसिपेट किया। कार्यक्रम में दिवाली पर आधारित गेम खेले गए। दीपावली और पासे का अटूट बंधन है। लकी पासे के गेम में पासे में आए नंबरों के आधार पर छः दीपकों में लिखे नम्बर को जोड़ना था , इस लक्की गेम में सरिता विजयवर्गीय प्रथम, निधि विजयपर्गीय द्वितीय व अर्चना व सपना विजयवर्गीय तृतीय रही। सभी विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। दीपावली के शुभ अवसर पर सभी ने मिल कर पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त करने का संकल्प लिया और आपसी भाईचारे व स्नेह को बढ़ावा देने के लिए एक साथ मिलकर चलने की प्रतिज्ञा की। शानदार भोजन के बाद सभी ने एक दूसरे विदा ली।

शकुन्तला विजयवर्गी,
अध्यक्ष

रोटरी जयपुर सिटीजन का भूतों का कैशनो में हुआ जमकर धमाल

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन ने अपने सदस्यों की लिए शनिवार को अपने सदस्यों के लिए भूतों का कैशनो थीम पर फन नाईट जामडोली फोर्ट पर आयोजित की गई। क्लब अध्यक्ष दिनेश जैन बज ने बताया कि क्लब हर बार सदस्यों के लिए कुछ नया और बेहतर करने के प्रस्ताव में रहता है उसी कड़ी में इस बार हैलोवीन थीम पर भूतों का कैशनो आयोजित किया गया जिसमे सदस्यों ने जमकर मस्ती की ।प्रोग्राम चेयरमैन सीए मनोज जैन और क्लब सचिव सीए नरेंद्र मित्तल ने बताया की प्रोग्राम में सदस्यों की एंट्री डर और रोमांच के साथ हुई, मेंबर्स थीम के अनुसार जॉम्बी बनकर आए थे और जो सदस्य जॉम्बी बनकर नहीं आए उनके लिए मेकअप टीम उपलब्ध थी । क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा व कोषाध्यक्ष नीरज काला ने बताया की सदस्यों ने फन कैसिनो में बहुत सारे प्राइज जीते और देर रात तक डांस मस्ती की ।सदस्यों को बेस्ट ड्रेस कपल जैसे अनेक पुरस्कार भी वितरित किए ।

महावीर इंटरनेशनल 'युवा' ब्यावर 'कपड़े की थैली मेरी सहेली' जागरूकता अभियान

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल युवा ब्यावर केंद्र द्वारा रविवार को रांका जी की बगीची में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में ₹कपड़े की थैली मेरी सहेली₹ जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में लगभग ढाई सौ कपड़े की थैलियां का वितरण किया गया। सचिव विजय राज जैन ने सभी सदस्यों से निवेदन किया कि आप अपने जीवन में पर्यावरण संरक्षण के लिए जो कार्य आप कर सकते हैं, उन कार्यों को प्राथमिकता करें। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा संचालित महाअभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्लास्टिक उपयोग नहीं करेंगे, कपड़े की थैली उपयोग करेंगे तथा अपनी माताओं व बहनों सभी को प्रेरित करेंगे, कि बाजार जाते समय कपड़े की थैली ही लेकर जाएं। सिंगल प्लास्टिक उपयोग करके पर्यावरण के लिए खतरा ना बने व पशु पक्षियों की सुरक्षा को ध्यान में रखें। गवर्निंग काउंसिल मेंबर वीर राजेश रांका ने सिंगल प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने और कपड़े की थैली के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। वीर राजेश मुरारका, वीर निखिल जिंदल ने पर्यावरण सुरक्षा और प्रदूषण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में वीर धनपत श्रीश्री माल, वीर रूपेश कोठारी, वीर दीपचंद कोठारी, वीरा मंजू पंच, वीरा बीना जैन, वीरा नीलम बंसल एवं महावीर इंटरनेशनल के अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वीर विजय पारीक एवं अनुपम रूनीवाल ने किया। वीर सुनील सिंघल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

तीर्थंकर भगवान के माता-पिता की गोद भराई एवं इन्द्र-इन्द्रणियो के मेंहदी का कार्यक्रम आज मंगलवार को

घट यात्रा एवं ध्वजारोहण से होगा पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आगाज

मीरामार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पांच दिवसीय श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव बुधवार 13 नवम्बर से, मंगलवार को होगा मेंहदी महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

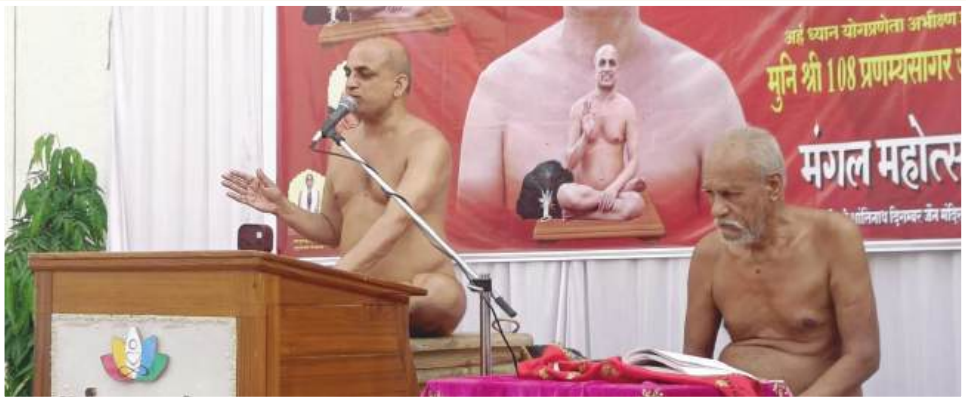

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 13 नवम्बर से 17 नवम्बर तक पांच दिवसीय श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का विशाल आयोजन होगा। इससे पूर्व मंगलवार 12 नवम्बर को आदिनाथ भवन पर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पात्रों के लिए मेंहदी महोत्सव का विशेष आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर बैण्ड बाजों के साथ सभी विशेष पात्र जुलूस के रूप में आदिनाथ भवन पहुचेगे जहां पर भगवान के माता-पिता की समाज बन्धुओं की ओर से गोद भराई की जाएगी। साथ ही इन्द्र - इन्द्रणियो के लिए संगीतमय मेंहदी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सभी पात्रों के हाथों में महिला मण्डल की सदस्याओं द्वारा मांगलिक मेंहदी लगाई जाएगी। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव की सारी क्रियाएं व कार्यक्रम मानसरोवर के गोखले मार्ग स्थित सैक्टर 9 के सामुदायिक केन्द्र पर विशाल पाण्डाल में होंगे। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक महामहोत्सव के अन्तर्गत बुधवार 13 नवम्बर को घटयात्रा एवं ध्वजारोहण से पंच कल्याणक महोत्सव का आगाज होगा तथा इसी दिन गर्भ कल्याणक की क्रियाएं होगी। जैन के मुताबिक पं. धीरज शास्त्री के निर्देशन में होने वाले इस महामहोत्सव का ध्वजारोहण समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर - शांता देवी, प्रमोद- नीना एवं सुनील - निशा पहाड़िया परिवार करेगा। मंगल कलश की स्थापना डी सी जैन - शकुन जैन, महक - निधि जैन श्यामनगर वाले करेगें। मंडप का उदघाटन समाजश्रेष्ठी शीतल - निर्मला कटारिया करेगें। भगवान के माता-पिता पदम कुमार - शशि जैन, सौधर्म इन्द्र महेश - अनिला बाकलीवाल, कुबेर इन्द्र सुभाष - मीना अजमेरा एवं महायज्ञनायक सुशील - निर्मला पहाड़िया होंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा ने बताया कि गुरुवार 14 नवम्बर को जन्म कल्याणक, शुक्रवार 15 नवम्बर को तप कल्याणक, शनिवार 16 नवम्बर को ज्ञान कल्याणक मनाया जाएगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि महामहोत्सव में रविवार, 17 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं होगी। इस मौके पर विश्व शांति महायज्ञ के बाद विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। नवीन वेदियों में श्री जी को विराजमान किया जाएगा। तत्पश्चात सम्मान एवं आभार समारोह किया जाएगा। इसी दिन दोपहर 1.00 बजे से मुनि प्रणम्य सागर महाराज की पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि महामहोत्सव की तैयारियां बडे जोर शोर से चल रही है। आयोजन में जयपुर सहित पूरे देश से लाखों जैन बन्धु शामिल होंगे। -**विनोद जैन कोटखावदा**

बढ़ता शहरीकरण: समस्याएं और समाधान विषयक मुक्त मंच की 90 वीं संगोष्ठी

शहरीकरण और प्रदूषण की रोकथाम के लिए लोकशक्ति को जागना होगा:डॉ नरेन्द्र कुसुम

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुक्त मंच की 90 वीं मासिक संगोष्ठी बढता शहरीकरण : समस्याएँ एवं समाधान विषय पर योग आश्रम मे परमहंस योगिनी डॉ. पुष्पलता गर्ग के सान्निध्य में बहुभाषाविद डॉ. नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम' की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। आईएएस (रि.) अधिकारी अरुण ओझा मुख्य अतिथि और आईएएस (रि.) राजेन्द्र भाणावत विशिष्ट अतिथि थे। 'शब्द संसार' के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा ने संयोजन किया। अध्यक्ष डॉ नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम' ने कहा कि शहरीकरण और प्रदूषण मूलतः मनुष्यकृत समस्याएँ हैं। प्रकृति ने हमें निर्मल, स्वच्छ और सर्वात्मना मंगलकारी उपादान दिए परंतु नगरों में रहने वाले ३ङ्क 5 लोगों द्वारा प्रकृति को विकृत करते हुए प्रदूषण की सहस्त्रमुखी समस्याएँ पैदा की जा रही हैं।इस समस्या के समाधान में सरकारी तन्त्र नाकाम साबित हो रहा है। नीतियाँ बनाई जाती हैं परन्तु उन्हें अमली जामा नहीं पहनाया जाता ।लोकतान्त्रिक संस्थाएँ निष्प्रभावी हो गई हैं। चुनाव लोकमंगल के वाहक न होकर लोक दंगल के प्रतीक हो गए हैं ।ऐसे में लोकशक्ति को जागना होगा। प्रशासन को चुरस्त दुरस्त बनाना होगा। इस कार्य में बुद्धिजीवी, सोशल मीडिया तथा जन प्रतिनिधियों की बहुत अहम भूमिका है।मुख्य अतिथि अरुण ओझा ने कहा कि शहर के विकास में कई निकाय लगे हुए होते हैं जो अपने हिसाब से ही पानी, बिजली, सडक, वायु से सम्बद्ध नियम बनाते हैं। वे अपने नियम कायदों का पालन कठोरता से नहीं करवा पाते हैं।जयपुर को ढाई तीन सौ वर्ष पूर्व योजनाबद्ध तरीके से बसाया गया परन्तु अब पैदल चलने के लिए फुट-पाथ और कचरा वेस्ट के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। प्लास्टिक वेस्ट, कम्प्यूटर, मोबाईल बैट्रीज के वेस्ट के समुचित स्थान नहीं है।अब शहर चारों और बढ रहा है अतः योजना बद्ध आयोजना की जरुरत है। पूर्व मुख्य अभियन्ता दामोदर चिरानिया ने कहा कि मानव विकास में बढ़ती जनसंख्या के कारण गाँव से कस्बे, कस्बे से शहर के विकसित होने और पलायन स्वाभाविक है। इससे अधिक सुविधाओंकी जरूरत होती हैं। स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा के साथ निर्माणकार्य बढ़ते हैं और प्रदूषण में वृद्धि होती है। वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र बोडा ने अनुसार विडम्बना यह है कि हम क्लाइमेट चेंज और पोल्यूशन के अन्तर को नहीं समझते हैं । उन्होने बताया कि न्यूजर्सी में गन्दगी नाम की चीज दिहाई नहीं देती, लैण्ड फिल जैसे कचरे के पहाड दिखाई नहीं देते ।नगर निकाय अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कूडे, कचरे, धूल, प्रदूषित वायु एवं प्रदूषित जल का समुचित स्वच्छता एवं सफाई का प्रबन्ध करते हैं। नागरिकों में भी जागृति है और वे सडक पर थूकते नहीं, दीवारों को गंदा नहीं करते।वस्तुतः क्लाईमेंट एक अन्तरराष्ट्रीय फिनोमीना है जबकि प्रदूषण स्थानीय निकायों का मुद्दा है। जहाँ जनप्रतिनिधि जागरुक हैं वहाँ साफ सफाई हो जाती है, वरना तो सब राम भरोसे है ।प्रखर चिंतक सुभाष गुप्त ने कि गाँव तथा कस्वों के शहरों मे रुपान्तरित होने की प्रक्रिया तेजी से बढ़ रही है।इसपर कारगर नियंत्रण की कोईयोजना बननी चाहिए। विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र भाणावत ने कहा शहर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए कार्यरत निकायों में संवाद ही नहीं होता। सब अपनी योजनाएँ अपने ढंग से बनाते और चलाते हैं। गांधीजी ने कहा था कि गाँवों को स्वावलम्बी होना चाहिए और गाँव की आवश्यकतानुसार वस्तुएँ गाँव में ही बने परन्तु इसका उल्टा रहा है। शहरों के लोग चप्पल जूते तक चीन के पहनते हैं। गाँव चीनी आयातित वस्तुओं पर निर्भर हो गए हैं। भाणावत ने गाँवों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया ताकि गाँवों से पलायन रुके और उन्हे गन्दा कर नरक न बनाएं। डॉ.मंगल सोनगरा ने कहा कि शहरीकरण की समस्या सोशियो,इकोनोमिक तथा पोलिटिकल है। बढती जनसंख्या भी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है जबकि सम्बद्ध विभागों की अकर्मण्यता भी उसके लिए बराबर की भागीदार है। जी. के. श्रीवास्तव तथा डॉ सावित्री रायजादा ने भी अपना वैचारिक अवदान किया। वरिष्ठ व्यंगकार एवं पत्रकार फारुक आफरीदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन प्रकृति कृत है जबकि जल, वायु, धुंआ आदि का प्रदूषण मनुष्यकृत है जिन पर नियन्त्रण किया जा सकता है। अपने संयोजकीय वक्तव्य में 'शब्द संसार' के अध्यक्ष श्री श्रीकृष्ण शर्मा ने कहा कि भारत में शहरीकरण विलम्ब से शुरू हुआ। यू.एन.ओ. वल्डोर्मीटर के अनुसार भारत की 2060 तक भारत की आधी आबादी शहरों मे रहने लगेगी। आज भी तामिलनाडु राज्य में 48% आबादी शहरों में रह रही है, जबकि केरल राज्य में 47.7% आबादी शहरी संस्कृति कीअभ्यस्त हो गई है। यू.एन.ओ. के 2024 में वल्डोमीटर 26 अक्तुबर 2024 को भारत की आबादी 1,45,50,620,083 थी। गत दिनों दिल्ली में वायु की गुणवत्ता बेहद खराब हो गई जबकि वायु गुणवता सूचकांक एक्यूआई 400 के आस पास पहुंच गया।इससे व्यावसायिक औद्योगिक, इकाइयों पर डीजल के उपयोग पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया।पार्किंग शुल्क भी बढा दिया गया है। अपशिष्ट प्रबन्धन पर कड़ी नजर के साथ वायु, मिट्टी, धुंआ, जल आदि के प्रदूषण पर कडे प्रावधान लागू किए गए। 10 वर्षों में 12 करोड शौचालय बनाए तथा गाँधीजी की 150 वीं जयन्ती पर खुले में शौच से 82% परिवारों को मुक्ति मिली है। आज दुनिया में 201 करोड टन से ज्यादा कचरा पैदा हो रहा है ।एक अनुमान के अनुसार 2050 तक 340 करोड टन की व्यवस्था करनी होगी। अन्त में डॉ. पुष्पलता गर्ग ने समापन उदबोधन दिया।

फारूक आफरीदी ,
वरिष्ठ साहित्यकार-पत्रकार।

लायंस क्लब अजमेर आस्था के द्वारा दी गई सेवा से 125 विद्यार्थी लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन अतुल पाटनी,लायन मधु पाटनी एवं अन्य भामाशाहों के सहयोग से आओ गांव चले सेवा करे एवम आवश्यकता अनुरूप सेवा के अंतर्गत उदयपुर जिले के आदिवासी बाहुल्य ग्राम कैलाशपुरी एवं मेवाड़ के ईस्ट देव श्री एकलिंगनाथ जी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 125 छात्र और छात्राओ को गणवेश का वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में उदयपुर के अंदरूनी ग्रामवासियों के लिए सेवा भेजी गई जहा क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी के निर्देशन में एवं उदयपुर स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष जगदीश रूनवाल, राजस्थान प्रदेश रोजगार प्रकोष्ठ प्रभारी महेशचंद अडानिया और प्रमुख मार्ग दर्शक शिक्षा और रोजगार अभियान के भेरूलाल मिरिंडिया और विद्यालय के शिक्षक तरुण वैष्णव, श्रीमती डामोर के कर कमलों द्वारा जरूरतमंद बच्चो के मध्य गणवेश का वितरण किया गया। सेवा प्रकार सभी बच्चे बहुत प्रसन्न नजर आए। अंत में विद्यालय प्रशासन द्वारा क्लब के द्वारा दी गई सेवा के प्रति आभार जताया।

आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री सिद्ध चक्र मंडल विधान पूजा प्रारंभ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सुभाष नगर स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन चोबीसी मंदिर में आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान की शुरूआत 11 नवंबर सोमवार को हुई। विधान 11 नवंबर से 17 नवंबर 2024 तक चलेगा। प्रातः 6:00 बजे श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर से आचार्यश्री ससंघ विहार होकर श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सुभाष नगर पहुंचा । जहां विधान के सभी पात्रों का चयन बोली द्वारा किया गया। सौधर्म इंद्र की 22 कलश की बोली लगाकर प्यारचंद , राजेंद्रकुमार, श्रीमती रतन बाकलीवाल परिवार को सौभाग्य मिला। अन्य पात्रों में भी श्रावकों ने बढ़-चढ़कर बोली लगाकर इंद्र- इंद्राणी बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस उपरांत बड़े बाबा मूल नायक 1008 श्री नेमिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक हुआ एवं शांतिधारा बड़े उत्साह पूर्वक की गई। जयकारों से सारा वातावरण गूंज उठा। मंदिर बाहर 20 थालियां पर आचार्यश्री का श्रावकों ने बारी-बारी से पाद पक्षालन किया। यह दृश्य मनोरम देखते ही बनता है। मंडप का विधिवत रूप से फीता खोलकर उद्घाटन किया गया। इस मार्ग को रंगोली से सजाया गया। श्रावक श्रीजी को सिर पर रखकर आचार्य श्री ससंघ के सानिध्य में जयकारों के साथ मंडप पर पहुंच कर मंच पर गंधकुटी पर विराजमान किया गया इस दौरान आचार्य श्री ने आशीर्वाद देते माणकचंद गोधा परिवार ने मंत्रोचार द्वारा विधि पूर्वक झंडारोहण किया ।संपूर्ण ससंघ मंचासीन हुआ। सभी इंद्राणियां अपने-अपने स्थान पर बैठे। प्रतिष्ठाचार्य द्वाराआचार्यश्री के मार्गदर्शन से विधि- विधान पूर्वक सिद्ध चक्र विधान पर कलशो की स्थापना एवं श्रीफल चढ़ाकर विधान को शुभारंभ किया। सारा माहौल धर्ममय हो गया। कार्यक्रम का संचालन अरविंद अजमेरा ने किया।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल का केंसर सर्वाइकल टीकाकरण – तीन युवतियों को एच पी वी की दूसरी डोज दी गई

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा । लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा केन्सर सर्वाइकल टीकाकरण केम्प आयोजित किया गया। क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु युवतियों को एच पी वी का टीकारण करवाया जा रहा है। डा निधि बरथुनिया ने आज तीन युवतियों को इस टीके की दूसरी डोज लगाई गई। ये टीके लायन राधा नुवाल के सौजन्य से लगवाये गये हें इस अवसर पर डॉ निधि बरथुनिया ने युवतियों को मासिक हाइजीन के बारे में जानकारी दी और जंक फूड अवॉइड करने के लिए बताया लायन ललित बाहेती भी उपस्थित रहे।

अद्भुत पहल

जयपुर. शाबाश इंडिया

पाठशाला का संचालन हमेशा होता रहे , तथा हमारी पाठशाला में किसी भी वस्तु की कमी ना आए इस तरह की भावना से पाठशाला के छात्र अक्षत जैन ने अनूठी पहल की है। अपने माता पिता दादा दादी से मिलने वाले पैसे को गुल्लक में जमा कर पाठशाला को समर्पित किए। जब गुल्लक खोला तो उसमें चार हजार से अधिक की राशि निकली । आज इस अवसर पर कैलाश प्रमिला सेठी दादा दादी व माता पिता व समाजजन गर्व महसूस कर रहे है । पाठशाला परिवार ने अक्षत जैन का स्वागत सत्कार किया । विमला ठोलिया के मार्गदर्शन में पाठशाला संचालित की जा रही है। पूर्व में पाठशाला के मौनिक जैन ने भी अपनी गुल्लक की राशि से मन्दिर में शांतिधारा की बोली लेकर समर्पित की थी। निश्चित ही आज पाठशाला से समाज के बच्चे संस्कारित हो रहे है इस बच्चों को देखकर फर्क दिखाई दे रहा है।

विद्यासागर पाठशाला के बच्चों ने लघु नाटिका पीछीका की भव्य प्रस्तुति दी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर दुगार्पुरा में मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं श्री सुभद्र सागर जी महाराज के पीछी परिवर्तन समारोह के अंतर्गत आचार्य विद्यासागर पाठशाला के बच्चो ने एक लघु नाटिका पीछीका कि प्रस्तुति कि जिसमें सभी नन्हे मुन्ने बच्चों ने भाग लेकर के बहुत ही अच्छी प्रस्तुति दी सभी ने इस कार्यक्रम को सराहा। पाटशाला के संरक्षक राजेंद्र काला एवम संयोजक श्रीमति चंदा सेठीने बताया कि इस नाटक कि तैयारी शिक्षिका रिंकू जैन एवम सुनीता पाटोदी इति काला छवि पांड्या ने कराई। कार्यक्रम का संचालन अजित शास्त्री ने किया। पुरस्कार वितरण सुनील माया संघई ने किया।

विजेता प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

थर्मल सी आई एस एफ की निबंध प्रतियोगिता सम्पन्न

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा । कोटा थर्मल में सुरक्षा के लिये तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत इकाई प्रभारी राकेश निखज के नैतृत्व में मोदी पब्लिक स्कूल दादाबाड़ी कोटा में सरकारी एवं प्राइवेट विद्यालय के 9 वीं से 12 वीं की कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच हिन्दी व अंग्रेजी में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पन्द्रह प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया भाषण का शीर्षक ''सत्यनिष्ठा की संस्कृति से ही राष्ट्र का विकास होगा''। यह कार्यक्रम सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता जैसे सामाजिक आदर्शों से जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया गया प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कवि अतुल कनक रहे प्रतियोगिता को सफल बनाने में मोदी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य डॉ नलिनी कुलश्रेष्ठ एवं अन्य शिक्षकगण का भी विशेष योगदान रहा। हिन्दी विषय में प्रथम स्थान पर संयुक्त रूप से रक्षिता सिंह (मोदी पब्लिक स्कूल) व चन्द्रान्श (आर्मी पब्लिक स्कूल) द्वितीय स्थान पर सबनूर अंसारी (विद्या मंदिर स्कूल दादाबाड़ी) एवं तृतीय स्थान पर अक्षिता गुप्ता (लारेंस एण्ड मायो पब्लिक स्कूल) ने प्राप्त किया। अंग्रेजी विषय में प्रथम स्थान पर चेसिका शर्मा (सेन्ट पॉल स्कूल) द्वितीय स्थान पर हर्षिता गौतम (लॉरेंस एण्ड मायो पब्लिक स्कूल) तृतीय स्थान पर दक्ष (शिव ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल) ने प्राप्त किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि सी आई एस एफ के विद्यार्थियों के चेतना में सत्यनिष्ठा की संकल्पना को स्थापित करने की मुहिम की सराहना की। विद्यार्थियों को सलाह दी ऐसी प्रतिस्पर्धा के माध्यम से जीवन की चुनौतियों को साहसिक ढ़ंग से निबटने का गुण विकसित होता है। इकाई प्रभारी राकेश निखज ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमित आयोजन पर बल दिया। निर्णायक एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ क्षमता चौधरी, डॉ आदित्य गुप्ता, डॉ टीना शर्मा, एडवोकेट निहारिका किसले, डॉ अनुकृति तम्बोली, डॉ प्रीति मैनारिया एवं श्री बिगुल जैन की उपस्थिति गरिमामयी एवं प्रेरणादायक रही।

सास-बहू परस्पर कर्तव्य पालन करे तो हो सकता आदर्श परिवार का निर्माण

सास-बहू के कर्तव्यों पर साध्वी मण्डल के सानिध्य में भाषण प्रतियोगिता

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.''भीम'' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलोचनाश्री म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में महावीर भवन में रविवार को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महिला प्रतिभागियों के लिए विषय सास का बहु के प्रति एवं बहु का सास के प्रति कर्तव्य था। इस विषय पर प्रतिभागियों ने अधिकतम तीन मिनट में अपनी बात रखी ओर ये समझाने का प्रयास किया कि सास-बहु के परस्पर एक-दूसरे के प्रति क्या कर्तव्य होते है ओर कर्तव्य की पालन करने पर किस तरह आदर्श परिवार का निर्माण हो सकता है। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्नेहलता चौधरी ने प्राप्त किया। द्वितीय नीता मेहता एवं रेखा नाहर तथा तृतीय कोमल मारू एवं ममता सुराणा रहे। पुरूष वर्ग के लिए कैसे हो परिवार खुशहाल विषय पर भाषण प्रतियोगिता रही जिसमें श्रेष्ठ प्रतिभागी राजेन्द्र सेठिया रहे। महिला वर्ग की प्रतियोगिता में इन्दुलता चौधरी, आशा चौधरी, सरिता गुगलिया, सुशीला गुगलिया, इंदुलता मेहता, अंगुरबाला मुणोत, सपना खमेसरा आदि ने भी विचार व्यक्त किए। साध्वी मण्डल ने सभी प्रतियोगियों के लिए मंगल भावनाएं व्यक्त की। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका वरिष्ठ सुश्रावक दलपत सेठ ने निभाई। प्रतियोगिता के लाभार्थी कमलेशजी अंगूरबालाजी मुणोत परिवार बापूनगर रहा। संचालन श्रीसंघ के मंत्री अनिल विश्नोत ने किया। उन्होंने बताया कि महासाध्वी मण्डल के तत्वावधान में मंगलवार सुबह नियमित चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान पूज्य गुरूदेव जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. की जयंति पर गुणानुवाद सभा होगी।